नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

नवांकुर की अभिनव पहल

क्रमशः

अंक 57 माह-जनवरी-2014

प्रति,

प्रकाशक : नवांकुर-प्रकाशन, गंजबासौदा दूरभाष : 221066, 220769, 223399

अन्दर के पृष्ठों पर

सार-समाचार 1
सज़्पादकीय 3
अभिभावक लेख 3
स्कूल इन्फो 4
झलकियाँ 9
रासेयो-समाचार 10
रासेयो-शिविर 13
कैरियर 17
बच्चों की कलम 20
अपना ज्ञान बढ़ायें 24
पहेलियाँ 26
डॉल्फिन-न्यूज 27
नन्ही कूची 31

Happy New Year 2014

सज़्पादक-मण्डलः
शैलेन्द्रकुमार पिंगले ''सुमन''
सन्दीप रावत
अजीत सिंह बैस
राजेन्द्र यादव
सुनील भावसार
कु. प्रीति चतुर्वेदी
कु. नीतू तनवानी
मुकेश शर्मा

सार-समाचार

बासौदा-समाचार

विसर्जन के बाद भी काम आयेगी ये प्रतिमा

-नये बस-स्टैण्ड पर नवदुर्गा उत्सव-समिति द्वारा लगाइयी इको फ्रेण्डली झाँकी इस बार विशेष आकर्षण का केन्द्र बनी रही। आस्था के साथ पर्यावरण-संरक्षण का सन्देश देती हुई इस झाँकी में स्थापित की गयी देवी माँ की प्रतिमा आटे और मैंदे से बनायी गयी थी। और साज-सज्जा भी काजू, बादाम, मूँगफली सहित अन्न से की गयी।

इको फ्रेण्डली प्रतिमा के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में बस-स्टैंड स्थित इस पाण्डाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पर्यावरण प्रेमी एवं जागरूक नागरिकों सहित श्रद्धालुओं द्वारा उत्सव-समिति के इस प्रयास को अनुकरणीय बताते हुए उनकी सराहना की गयी। नवांकुर- परिवार नागरिकों से इसी प्रकार की मूर्तियों की स्थापना की आशा करता है।

पाँच करोड़ से बनेगा आईटीआई भवन -

नगर में संचालित आईटीआई का स्वयं का भवन होगा। इसका निर्माण-कार्य बरींघाट बेतवा-मार्ग पर नये वर्ष में प्रारम्भ होगा। भवन-निर्माण के लिए पाँच करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। भवन-निर्माण का ठेका गुजरात की एक कंस्ट्रक्शन कम्पनी को दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय-समाचार

चीनी लेखक ने गीता के महत्त्व पर लिखी किताब - सिंगापुर में रह रहे चीनी मूल के एक लेखक ने व्यावसायिक प्रबन्धान एवं व्यक्तिगत प्रतिद्वन्दिता के क्षेत्र में भगवद्गीता की प्रासंगिकता पर एक किताब लिखी है। चार्ल्स चाउ ने मैनेजमेण्ट एफिफैसी - ''विस्डम फ्रॉम द इण्डियन भगवद्गीता एण्ड द चाइनीज आर्ट ऑफ वार'' शीर्षक से यह किताब लिखी है। सिंगापुर के पर्यावरण एवं जल-संसाधन-मन्त्री विवियन बालकृष्णन ने सिंगापुर मैनेजमेण्ट यूनिवर्सिटी में इस किताब का विमोचन किया।

लगातार बिजली गिरती है यहाँ -बेनेजुएला में एक ऐसी जगह है, जो बिजली गिरने के लिए मशहूर है। यहाँ की फैराटुम्बो नदी और लेक मराकाइबो जहाँ मिलती है, उस जगह साल में 160 दिन बिजली गिरती है, कई बार ऐसा होता है कि जब यहाँ दिन में लगातार 10 घण्टे तक बिजली गिरती रहती है। यह सब इतनी तेजी से होता है कि कई बार एक घण्टे

के भीतर 280 बार तक बिजली गिर जाती है।

दीवाली - बॉलीवुड गीत पर थिरकी मिशेल ओबामा- अमेरिका की प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने ह्वाइट हाउस में दीवाली के जश्न की शुरूआत करने के लिए ईस्ट रूम में दीया जलाया। उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारतीय-अमेरिकी अधिकारियों की उपस्थिति में अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमने राष्ट्रपति बराक ओबामा के पद सम्भालने के बाद से हर साल ह्वाइट हाउस में यह त्योहार मनाया है।

मंगलयान पृथ्वी की कक्षा से बाहर पहुँचा- भारत ने 5 नवम्बर 2013, मंगलवार को मिशन-मंगल का श्रीगणेश किया और अपने पहले मंगलयान का सफल प्रक्षेपण कर अन्तरिक्ष में नया इतिहास रचा है।

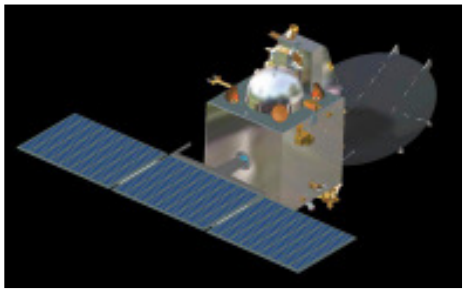

श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अन्तरिक्ष-केन्द्र के पहले लांच पेड से दोपहर बाद देश के पहले मंगल-अभियान को लांच किया गया। ताजा खबर के अनुसार मंगलयान पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलकर मंगल की ओर रवाना हो गया है। लगभग 300 दिनों का सफर तय कर मंगलयान सितम्बर 2014 में मंगल पर पहुँचेगा।

खेल-समाचार

भारत को हॉकी वर्ल्डकप 2018 की मेजबानी - भारत को 2018 के पुरुष-हॉकी-वर्ल्डकप की मेजबानी मिल गयी है, इसमें 16 टीमें खेलेंगी। इंग्लैण्ड महिला-हॉकी-वर्ल्डकप की मेजबानी करेगा। अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने इसकी पुष्टि कर दी है।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप होगी 2017 में - अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट-परिषद् (आईसीसी) ने 2017 से विश्व-टेस्ट-चैम्पियनशिप शुरू करने की घोषणा की है। अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट-परिषद् ने शनिवार को कहा कि पहली चैम्पियनशिप इंग्लैण्ड में होगी और आईसीसी रैंकिंग में चौथे स्थान तक की टीमें इसमें हिस्सा लेंगी और कुल इनामी राशि एक करोड़ डॉलर होगी।

वेटल की हैट्रिक - ग्रेटर नोएडा में रेडबुल के सेबेस्टियन वेटल ने भारतीय सरजमीं पर जीत की हैट्रिक लगाते हुए तीसरी इण्डियन ग्रांप्री जीतने के साथ लगातार चौथी विश्व-चैम्पियनशिप अपने नाम करके, फॉर्मूला-वन के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

एक ही टेस्ट में शतक और हैट्रिक- गाजी ने बनाया दुर्लभ रिकार्ड। बंग्लादेश के ऑलराउण्डर 22 साल के सोहाग गाजी ने यह दुर्लभ रिकार्ड बनाया है। वे 136 साल के टेस्ट इतिहास में यह कमाल करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर हैं, जिसने पहले आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 101 रन बनाये, बाद में न्यूजीलैण्ड की दूसरी पारी में सात में से छह विकेट झटक लिये। इनमें एण्डरसन (8), वॉटलिंग (0) और ब्रेसवेल (0) के विकेट लगातार गेंदों पर थे।

शिखर पर पहुँचे कोहली - जबरदस्त फॉर्म में चल रहे विराट कोहली ने दुनिया का नम्बर एक बल्लेबाज होने का रुतबा हासिल कर लिया है। आईसीसी ने वनडे रैंकिंग जारी की। इसमें वे शीर्ष पर हैं। वे इस उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे भारतीय हैं।

संकलन - **सुनील भावसार** (उ.श्रे.शि.)

माह जनवरी-फरवरी में जन्मदिन वाले सभी विद्यार्थियों को नवांकुर-परिवार का शुभाशीष!

सम्पादकीय

सफलता के नियम

कर्म की आदत को बढ़ावा दीजिये और इन मुख्य बिन्दुओं का अभ्यास कीजिये :-

1. कर्मठ बनिये / काम करने वाला बनिये, काम टालने वाला नहीं।
2. परिस्थितियों के आदर्श होने का इन्तजार मत कीजिये। वे कभी आदर्श नहीं होतीं। भविष्य की बाधाओं और कठिनाइयों की उम्मीद कीजिये और जब वे आयें, तब आप उनको सुलझाने का तरीका खोजिये।
3. याद रखें, केवल विचारों से सफलता नहीं मिलती। विचारों का मूल्य तभी है, जब आप उन पर अमल करें।
4. डर भगाने और आत्मविश्वास हासिल करने के लिए जिस काम से आप डरते हैं, वही कीजिये और आपका डर भाग जायेगा।
5. अभी काम शुरू करने के बारे में सोचिये। कल, अगले सप्ताह, बाद में....., इसी तरह के शब्द असफलता के शब्द 'कभी नहीं' के पर्यायवाची हैं।
6. काम में जुट जाइये। कर्म की तैयारी में समय बर्बाद मत कीजिये।
7. पहल कीजिये/ संघर्ष कीजिये। स्वयंसेवक बनिये। यह बताइये कि आप में कर्म करने की योग्यता और महत्त्वाकांक्षा है।
8. एकाग्रता के साथ सफलता की राह पर चल पड़िये।

याद रखें, आप किसी परिस्थिति में वही देखते हैं, जो आप देखना चाहते हैं। अच्छे पहलू को देखें और हार को जीत में बदल दें। अगर आप स्पष्ट दृष्टि विकसित कर लेते हैं, तो सारी चीजें आपके लिए अच्छा काम करेंगी।

सफलता और असफलता में फर्क इस बात से होता है कि असफलता, बाधा, निराशाजनक स्थितियों और हतोत्साहित करने वाली बातों के प्रति आपका रवैया क्या है?

''वर्तमान की बुनियाद पर भविष्य सँवरेगा,
मेहनत और ईमान से ही इंसान निखरेगा।
चलते रहो इंसानियत की राहों पे हर कदम,
सफलता और सम्मान का तुम्हें उपहार मिलेगा।''

-कु. प्रीति चतुर्वेदी
व्याख्याता-अंग्रेजी

अभिभावक-लेख

रक्तदान-महिमा

कोटि-कोटि फल पुण्य अगर पाना चाहे इंसान,
तो मानवता की सेवा के हित, करना होगा रक्तदान।
परसेवा-सम पुण्य नहीं है, रक्तदान-महादान,
तो मानवता की सेवा के हित करना होगा रक्तदान।।

हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई का न कोई तर्क है,
राजा हो या रंक मनुज के शोणित में क्या फर्क है।
रक्तदान से बचा सकें यदि किसी मरीज की जान,
तो मानवता की सेवा के हित करना होगा रक्तदान।।

रक्त, लहू या खून, रुधिर और शोणित कहते हैं इसको,
जान चली न जाये कोई, गर खून चाहिये हो जिसको।
एक जान भी बचा सके हम, खुश होगा भगवान,
तो मानवता की सेवा के हित, करना होगा रक्तदान।।

मन्दिर-मस्जिद-गुरुद्वारे में, जाकर शीश नवाया,
मानवता की सेवा का फल, हमने जान न पाया।
परहित सरिस धर्म नहिं भाई, तुलसी का यह ज्ञान,
तो मानवता की सेवा के हित, करना होगा रक्तदान।।

कुएँ को कोई फर्क न पड़ता है जैसे जलदान से,
रक्तदाता को फर्क न पड़ता, वैसे ही रक्तदान से।
भ्रम पालो मत कोई मन में, सदा रहो बलवान,
तो मानवता की सेवा के हित, करना होगा रक्तदान।।

नि:संकोच आज प्रतिज्ञा अपने मन में कीजै,
स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों में, रक्तदान कर दीजै।
नवांकुर राष्ट्रीय सेवा योजना, कर रही कार्य महान,
तो मानवता की सेवा हित, करना होगा रक्तदान।।

- संजय श्रीवास्तव ''प्रज्ञा''
(अभिभावक)
अध्यापक-शा.मा.वि.मलकपुर,
गंजबासौदा

स्कूल इन्फो

कु. शिवानी आचवल को अरुन्धतिदेवी–पुरस्कार

विद्यालय की छात्रा कु. शिवानी आचवल पुत्री स्व. श्री सन्तोष राव आचवल, कक्षा–12 को अरुन्धतिदेवी–पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस पुरस्कार के अन्तर्गत कु.

शिवानी आचवल को 2000 रुपये नकद प्रदान किये गये।

अपनी सासू माँ श्रीमती अरुन्धती टिल्लू की स्मृति में बालिका–शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह पुरस्कार श्रीमती श्रद्धा टिल्लू द्वारा इसी वर्ष से कक्षा 12 में अध्ययनरत छात्रा के लिए शुरू किया गया है, जो प्रतिवर्ष ऐसी जरूरतमन्द छात्रा को दिया जायेगा, जिसने कक्षा–11 की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किये हों। श्रीमती श्रद्धा टिल्लू विद्यालय के अध्यक्ष श्री विजय शिरढोणकर की पुत्री हैं।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती श्रद्धा टिल्लू द्वारा कक्षा–8 तथा कक्षा 10 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रतिवर्ष 1000 रु. के श्रद्धा–पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है। यह पुरस्कार भी अगले वर्ष से 2000 रु. का दिया जायेगा। यह पुरस्कार विद्यालय–प्रांगण में विद्यालय के प्राचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार दीक्षित और तिमाही परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं द्वारा कु. शिवानी को उनकी माँ श्रीमती सीमा आचवल की उपस्थिति में प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय–परिवार ने कु. शिवानी आचवल को बधाई दी।

नवांकुर के छात्रों की सम्भाग–स्तरीय बालरंग–प्रतियोगिता में भागीदारी

विदिशा के शास.उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय में बालरंग–महोत्सव–2013 के अन्तर्गत जिला–स्तरीय

बालरंग–प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नवांकुर के छात्र–छात्राओं ने शानदार प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों का मन मोह लिया तथा सम्भाग– स्तरीय बालरंग–प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया। संस्कृत भाषा पर आधारित नृत्य नाटिका **"अभिज्ञानशाकुन्तलम्"**, जिसमें विद्यालय के छात्र विशाल दाँगी, अमन दाँगी, आकाश गुप्ता, अमन शर्मा, अश्विनी उपाध्याय, दिवाशीष सेन, अभिषेक पाठक, अमित गुर्जर, कु. शिवानी रघुवंशी, कु. समीक्षा जैन, कु. अंजली रघुवंशी, सभी कक्षा 9। कामेश गौड, केशव रघुवंशी, कक्षा 11 तथा सौरभ साहू, कक्षा 12 ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और सम्भाग–स्तरीय बालरंग–प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुरक्षित किया।

अन्य साहित्यिक विधाओं में कु. करीना रघुवंशी, कक्षा 8 ने संस्कृत–भाषण– प्रतियोगिता में, कु. प्रियंका मिश्रा, कक्षा 12 और कु. सोनाली शर्मा, कक्षा 8 ने निबंध–लेखन में, कु. चंचल भारद्वाज, कक्षा 11 ने तात्कालिक भाषण में, कु. साक्षी विश्वकर्मा, कक्षा 12 और सुदीप सिंह दांगी, कक्षा 8 ने सुलेख में, कु. आकांक्षा बघेल, कक्षा 11 और कु. तनु ठाकुर, कक्षा 8 ने केलियोग्राफी में, अक्षत श्रीवास्तव, कक्षा 8 ने स्वरचित–काव्यपाठ में, कु. दीपा रघुवंशी, कक्षा 12 ने गायन में, जीतेश शर्मा, कक्षा 11 ने ढोलक–वादन में, कामेश गौड़, कक्षा 11 ने तबला–वादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

3. The best advice you will get is from someone who made the same mistake himself.

करके सम्भाग–स्तरीय–प्रतियोगिता के लिए अपने स्थान सुनिश्चित कर लिये।सम्भाग–स्तरीय बालरंग–प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 09.11.13 को भोपाल में किया गया, जहाँ से कु. करीना रघुवंशी का चयन राज्य–स्तर के लिए हुआ।

कु. करीना रघुवंशी

इन सभी छात्र–छात्राओं की तैयारी में विद्यालय के आचार्य श्री वासुदेव शर्मा, श्री आशीष त्रिवेदी तथा शिक्षिका कु. पूजा जैन ने निर्देशक की भूमिका निभाकर छात्र–छात्राओं का कुशलतापूर्वक मार्गदर्शन किया।

नवांकुर के स्काउट–गाइड्स सफलता के उच्च शिखर पर

भोपाल में 1 से 6 जून तक आयोजित **राज्यपाल–जाँच–शिविर** में नवांकुर विद्यालय के 6 **स्काउट–गाइड्स** ने सफलता प्राप्त कर ली। अब ये स्काउट–गाइड्स मध्यप्रदेश के महामहिम **राज्यपाल द्वारा स्वहस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र** द्वारा सम्मानित किये जायेंगे। तत्पश्चात् ये स्काउट–गाइड्स राष्ट्रपति–जाँच–शिविर के लिए तैयारी करेंगे। इनके नाम हैं–दर्शन लाहौरी, पुत्र श्री केशव लाहौरी कक्षा 12, शिवासिंह राजपूत पुत्र श्री पहलवानसिंह राजपूत, कक्षा 11, श्रवण मैना पुत्र श्री महाराजसिंह मैना, कक्षा 12, शुभम नामदेव पुत्र श्री मोहनसिंह नामदेव, कक्षा 12, सौरभ शर्मा पुत्र श्री जगदीश बाबू, कक्षा 12, यशपाल रघुवंशी पुत्र श्री राजकुमार रघुवंशी, कक्षा 11।

दिनांक 15.10.13 से 19.10.13 तक क्षेत्रीय सम्भाग–स्तरीय **तृतीय सोपान जाँच– शिविर** खरबई, जिला रायसेन में आयोजित किया गया, जिसमें नवांकुर के 3 तथा डॉल्फिन के 7 **स्काउट गाइड्स** सम्मिलित हुए।

दिनांक 22.10.13 से 26.10.13 तक आयोजित **द्वितीय सोपान जाँच–शिविर** में नवांकुर का 1 एवं डॉल्फिन के 8 स्काउट गाइड्स सम्मिलित हुए, जो उत्तीर्ण घोषित किये गये हैं। सभी स्काउट–गाइड्स की सफलता में विद्यालय के स्काउट–प्रभारी रामबाबू पांचाल तथा आशीष मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही है।

सभी स्काउट–गाइड्स के लिए विद्यालय–परिवार ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रस्सा-खींच में नवांकुर बना चैम्पियन

स्वामी विवेकानन्द सार्द्धशती-समारोह-समिति, गंजबासौदा द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय से 458 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सामान्य-ज्ञान प्रतियोगिता में कु. सोनम दाँगी कक्षा 11 (गणित) ने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा 11 (गणित) के छात्र गौरव पटेल ने नगर में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

रस्सा-खींच-प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम ने फाइनल मुकाबला जीत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

योग–प्रतियोगिता में भागीदारी

बासौदा नगर के लिए यह बड़े गौरव का विषय है कि विद्यालय के 15 छात्र–छात्राओं ने राज्य स्तरीय–योग–प्रतियोगिता में भाग लिया। यह प्रतियोगिता दिनांक 18.10.2013 से 23.10.2013 तक इटारसी में आयोजित की गयी, जिसमें रवि कुशवाह एवं दीपेश साहू का चयन राष्ट्र–स्तरीय–योग प्रतियोगिता के लिए हुआ।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भोपाल के सरोजिनी नायडू हायर सेकेण्डरी स्कूल में सम्भाग–स्तरीय–योग–प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें नवांकुर के 15 छात्र–छात्राओं का चयन राज्य–स्तरीय–योग–प्रतियोगिता के लिए किया गया।

कु. तिथि राजपूत

कशिश अहिरवार

सुमन्त माँझी

हर्ष माँझी

कु. दीक्षा राजपूत

कु. आयुषी जैन

सौरभ राठौर

नीतेश साहू

कु. दीक्षा आदिवासी,

कु. ज्योति आदिवासी

कु. पलक गुप्ता

कु. सोनिका बघेल

रवि कुशवाह
(राष्ट्र–स्तर पर चयन)

सौरभ बघेल

दीपेश साहू
(राष्ट्र–स्तर पर चयन)

चयनित छात्र–छात्राओं में मिनि बालिका वर्ग में कु. तिथि राजपूत कक्षा–7, कशिश अहिरवार कक्षा–4 तथा मिनि बालक वर्ग में सुमन्त माँझी कक्षा–4, हर्ष माँझी कक्षा–6, जूनियर बालिका वर्ग में कु. दीक्षा राजपूत कक्षा–9, कु. आयुषी जैन कक्षा–9 तथा जूनियर बालक वर्ग सौरभ राठौर कक्षा–10, नीतेश साहू कक्षा–10, सीनियर बालिका वर्ग में कु. दीक्षा आदिवासी, कु. ज्योति आदिवासी, कु. पलक गुप्ता सभी कक्षा–11, कु. सोनिका बघेल कक्षा–10 तथा सीनियर बालक वर्ग में रवि कुशवाह, सौरभ बघेल, दीपेश साहू सभी कक्षा–12 के नाम सम्मिलित हैं।

गौरतलब है कि विगत वर्ष भी विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने राष्ट्र–स्तरीय–योग–प्रतियोगिता में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जाकर विद्यालय ही नहीं अपितु नगर को गौरवान्वित किया है।

बाल–दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

बाल–दिवस के उपलक्ष्य मे विद्यालय के हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी विभाग में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में कक्षा 11 में विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु. उमा दाँगी और कु. आयुषी समैया ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभायी। इस दौरान अनेक छात्र–छात्राओं ने भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री श्री जवाहरलाल नेहरू से सम्बन्धित जानकारियों पर प्रकाश डाला तथा गीतों का गायन किया।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने नाटक एवं नृत्यों का प्रदर्शन किया, जिनकी उपस्थित छात्र–छात्राओं द्वारा सराहना की गयी। विद्यालय के आचार्य रामकिशन राठौर ने लोकगीत तथा आशीष त्रिवेदी ने गीतों का गायन किया। विद्यालय के आचार्य सन्दीप रावत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर माध्यमिक विभाग में एक प्रश्न–मंच का आयोजन किया गया। इस प्रश्न –मंच में कक्षा 7 में अध्ययनरत् कु.भूमिका सक्सेना, कु. आस्था दुबे और अक्षत श्रीवास्तव ने प्रथम, कु. शिवानी रघुवंशी ने द्वितीय तथा प्रयांश अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 8 में कु. करीना रघुवंशी ने प्रथम, कु. सोनम रघुवंशी और कु. निकिता दाँगी ने द्वितीय और हर्ष कुमार वैरागी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 6 में

चेयररेस–प्रतियोगिता में आदित्य बघेल ने प्रथम, ध्रुवराज भदौरिया ने द्वितीय और राजीव रघुवंशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा 6 में कीपरेस–प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6 की टीम विजेता रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अभिषेक राजपूत और आशीष मिश्रा ने तथा पुरस्कार–वितरण श्री मुकेश कुमार जैन व विजय कुमार शर्मा ने किया। प्रधानाचार्य सुश्री अरुणा शर्मा ने सभी छात्र–छात्राओं को आशीष वचनों द्वारा सम्बोधित किया।

इस अवसर पर प्राथमिक विभाग में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फैन्सी ड्रेस, चित्रकला एवं क्विज–प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें नन्हे छात्र–छात्राओं ने बड़े हर्ष एवं उत्साहपूर्वक बढ़–चढ़कर भाग लिया। अन्त में छात्र–छात्राओं को विविध उपहार देकर पुरस्कृत किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में राज्य–स्तर पर भागीदारी

खो–खो सीनियर

विशाल रघुवंशी, कक्षा–12

कु. निधि शर्मा, कक्षा–12

डॉज बॉल

विशाल रघुवंशी, कक्षा–12

कु. महक अग्रवाल, कक्षा–10

प्रदीप रघुवंशी, कक्षा–10

बधाई

खो – खो जूनियर

कु. अनुजा जानौरिया, कक्षा–10

कु. ऋचा लोधी, कक्षा–10

कु. पूजा लोधी, कक्षा–10

हेमन्त रघुवंशी, कक्षा–10

शरद दाँगी, कक्षा–10

अंकित शर्मा, कक्षा–7

कु. श्रद्धा दुबे, कक्षा–7

हिन्दू उत्सव–समिति द्वारा आयोजित
दशहरा–महोत्सव में नवांकुर उ.मा.वि. के छात्र–छात्राओं
द्वारा बरेदी–नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

हिन्दू उत्सव–समिति द्वारा आयोजित
दशहरा–महोत्सव में नवांकुर माध्यमिक विद्यालय के
छात्र–छात्राओं द्वारा गोंधल–नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

नगर के व्यवसायी एवं समाजसेवी श्री कान्तीभाई जी शाह द्वारा विगत तीन वर्षों से विद्यालय को प्रदत्त पाँच हजार रु.
(प्रतिवर्ष) की धनराशि से निर्धन बच्चों को स्वेटर, पुस्तकें एवं बैग आदि का वितरण

नवांकुर प्राथमिक विद्यालय की नन्ही छात्राओं द्वारा
बनायी गयी मनमोहक रंगोलियाँ

नवांकुर प्राथमिक विद्यालय के नन्हे छात्र–छात्राओं द्वारा
बनायी गयी आकर्षक राखियाँ

रासेयो-समाचार

धूमधाम से मना शिक्षक–दिवस

5 सितम्बर को विद्यालय की राष्ट्रीय–सेवा–योजना इकाई के तत्वावधान में बड़े हर्ष और उत्साह के साथ विद्यालय प्रांगण में शिक्षक–दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा–9 से 12 तक के सभी छात्र/छात्रा तथा नवांकुर–परिवार के सदस्यगण उपस्थित थे। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के पूजन से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुंआ।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री शैलेन्द्र कुमार पिंगले ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षक–दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं स्वयंसेवक कु. भावना विश्वकर्मा द्वारा लोकगीत का गायन किया गया। स्वयंसेवक अमन श्रीवास्तव ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन से जुड़े प्रसंगों पर प्रकाश डाला। स्वयंसेवक पूर्वगिरि गोस्वामी, कु. समीक्षा शर्मा, कु. शिल्पा जैन, विनय सोनी तथा प्रशान्त कुशवाह ने भी अपनी–2 प्रस्तुतियाँ दीं।

इस दौरान प्राचार्य दीक्षित जी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन प्रसंगों पर उद्‌बोधन देते हुए कहा कि भारत में उपराष्ट्रपति का पद डॉ. राधाकृष्णन के लिए ही प्रारम्भ किया गया था। विद्यालय के शिक्षक सन्दीप रावत ने राधाकृष्णन जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए सभी बच्चों से एक सच्चे नागरिक बनने और देश को चरमोत्कर्ष पर ले चलने का आह्‌वान किया। डॉल्फिन स्कूल के प्राचार्य श्री रमेश कुमार शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दीं। शिक्षक शम्भूसिंह रघुवंशी ने भी कविता का वाचन किया।

नवांकुर की बालिका राष्ट्रीय सेवा–योजना इकाई–प्रभारी श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने अपने उदबोधन में कहा कि शिक्षक बच्चों का मार्गदर्शक होता है और उन्हें प्रकाश–रूपी ज्ञान देता है।

रासेयो द्वारा मतदाता–जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा–योजना के सौजन्य से मतदाता–जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और शिक्षकगणों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के वाणिज्य–प्रभारी पहलवानसिंह राजपूत ने स्वयंसेवकों को मतदान करने की शपथ दिलवायी तथा अपने सम्बोधन में कहा कि हर व्यक्ति को मतदान कर देश और समाज के विकास में योगदान देना चाहिये। सभी काम छोड़कर सबसे पहले मतदान को प्राथमिकता दें, इससे आप अपने पसन्दीदा जनप्रतिनिधी को चुनकर अपने क्षेत्र और देश के विकास में अहम योगदान कर सकते हैं।

कैरियर–प्रकोष्ठ के प्रभारी सन्दीप रावत ने अपने सम्बोधन में मतदान का महत्त्व बताते हुए कहा कि युवाओं को मतदान के लिए आगे आना चाहिये। वे इसे जिम्मेदारी के रूप में ग्रहण करें। यह नहीं सोचना चाहिये कि उनके एक वोट से क्या होगा। एक–एक वोट हार जीत का अन्तर तय करता है।

इस दौरान बीच–बीच में स्वयंसेवकों ने ''आओ बहिनो–आओ भाई, अब मतदान की बारी आई। अच्छे वोटर की पहचान, जिसे हो अपने वोट का ज्ञान'' आदि अनेक नारे उत्साहपूर्वक लगाये। नवांकुर रासेयो–बालिका–इकाई की प्रभारी श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने स्वयंसेवकों से अपने परिजनों, मित्रों व पड़ोसियों को भी वोट डालने के लिए प्रेरित करने का आह्‌वान किया।

All other knowledge is hurtful to him, who has no honesty and good nature.

अन्त में, रासेयो के कार्यक्रम–अधिकारी हरिओम शरण शर्मा ने स्वयंसेवकों को मतदान करने की प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में हैं, उन्हें मतदान करने मतदान–केन्द्र आवश्यक रूप से जाना चाहिये। साथ ही, रासेयो के स्वयंसेवको को अपने परिजनों, रिश्तेदारों तथा पड़ोसियों को भी मतदान के लिए प्रेरित करना चाहिये।

उल्लेखनीय है कि रासेयो नवांकुर–इकाई द्वारा मतदाता–जागरूकता–अभियान चार चरणों में चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत मतदाता–जागरूकता–रैली, मतदाता शपथ–ग्रहण, विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे रंगोली, दीप सजाओ, निबन्ध–लेखन, स्लोगन– प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

रासेयो द्वारा मतदाता–जागरुकता–रैली का आयोजन

हिन्दी–दिवस पर निबन्ध–प्रतियोगिता का आयोजन

विश्व एड्स–दिवस पर रासेयो द्वारा वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन

विद्यालय के रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना–इकाई द्वारा विश्व–एड्स–दिवस पर ''एड्स की जानकारी ही बचाव है'' विषय पर एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें रासेयो स्वयंसेवकों ने विभिन्न वक्ताओं द्वारा दिये गये विभिन्न विचारों को ग्रहण किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ रासेयो के लक्ष्य–गीत ''उठें समाज के लिए उठें–उठें'' तथा 'रोको एड्स' गीत से हुआ।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित नवांकुर–जागरूकता–सलाहकार समिति के सदस्य श्री रवि चतुर्वेदी जी ने बताया कि एच.आई.वी. वायरस रोग–प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करने वाला वायरस है। जिन व्यक्तियों के शरीर में यह विषाणु होता है, उन्हें एचआईवी पॉजीटिव कहा जाता है। अभी तक एचआईवी को मारने वाली कोई दवा नहीं मिली है, पर खोज जारी है।

बौद्धिक प्रकोष्ठ के प्रभारी शम्भूसिंह रघुवंशी ने एड्स के लक्षणों को बताते हुए कहा कि शरीर के वजन का ह्रस अथवा वृद्धि–अवरोध, विभिन्न अन्तरालों पर अथवा निरन्तर एक माह से अधिक–अवधि के दस्त, निरन्तर एक माह की अवधि का बुखार एवं खाँसी होना आदि एड्स के लक्षण हो सकते हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में सन्दीप रावत ने एचआईवी से बचाव के सरल उपाय बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति का रक्त स्वीकार करते समय अच्छी तरह से जाँच

लें वह एचआईवी से मुक्त है और रक्त हमेशा लाइसेंस प्राप्त ब्लड–बैंक से ही लें। उपयोग किये हुए सिरिंज–इंक्जेक्शन को काम न लायें। कोई सन्देह व डर होने की स्थिति में चिकित्सक से बातचीत करें। साथ ही, आह्वान भी किया कि एड्स की जानकारी प्राप्त कर इस सम्बन्ध में मित्रों, सहयोगियों व परिवार में जागरूकता बढ़ायें।

रासेयो कार्यक्रम–अधिकारी हरिओम शरण शर्मा ने रेड रिबन क्लब के सदस्यों को उनके जागरूकता–कार्यक्रमों के दायित्वों व एड्स–जागरूकता जैसे अभियान कैसे चलायें। इस सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।

रासेयो स्वयंसेवक विनय सोनी एवं संस्कार भण्डारी ने डरना नहीं समझना होगा, तभी एड्स से लड़ना होगा'' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। साथ ही, उपस्थित अन्य सभी वक्ताओं एवं रासेयो स्वयंसेवकों ने अपने–अपने विचार रखे। कार्यक्रम का समापन ''हम होंगे कामयाब'' गीत से हुआ।

उद्देश्य चुनो स्थिर रहकर कार्य करो

एक बार एक लड़के ने एक बहुत अमीर आदमी को देखा, तो उसे देखकर उसका मन भी अमीर बनने का होने लगा और उसने अमीर आदमी बनने का निश्चय किया। कई दिनों तक लगातार वह कमाई में लगा रहा और कुछ पैसे भी कमा लिये। इसी बीच उसकी मुलाकात एक विद्वान् से हुई। अब उसने विद्वान् बनने की ठानी और दूसरे ही दिन से कमाई छोड़कर पढ़ने में लग गया। अभी कुछ ही समय हुआ था कि उसकी मुलाकात एक संगीतज्ञ से हुई। अब उसे संगीत में अधिक आकर्षण दिखने लगा। उसने पढ़ाई बन्द कर दी और संगीत सीखने लगा। कुछ दिन बाद यह भी छोड़कर नेतागिरी करने लगा।

ऐसे कई साल बीत गये, न वह अमीर आदमी बन सका, न विद्वान, न संगीतज्ञ और न नेता ही बन सका, तब उसे बहुत दु:ख हुआ। उसने सोचा कि इस तरह तो मेरा बहुत समय व्यर्थ में ही बीत गया। यदि मैं किसी एक बात पर निश्चय करके उसी पर चलता, तो मैं सफल अवश्य होता।

इसी तरह हम भी अपना एक लक्ष्य निश्चित कर उस पर चलते रहें, तो हमें भी सफलता अवश्य मिलेगी।

– श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव
उ.श्रे.शि.

नवांकुर रासेयो अधिकारियों की प्रशिक्षण–कार्यक्रम में भागीदारी

सूच्यांकित प्रशिक्षण–संस्थान, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, रासेयो प्रकोष्ठ, भोपाल के तत्त्वावधान में रासेयो कार्यक्रम–अधिकारियों का प्रशिक्षण–कार्यक्रम दिनांक 12 नवम्बर से 18 नवम्बर तक भोपाल में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय से बालक–रासेयो इकाई के कार्यक्रम–अधिकारी श्री हरिओम शरण शर्मा एवं बालिका–रासेयो इकाई की कार्यक्रम–अधिकारी श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के अन्तर्गत रासेयो–दर्शन, शिविर एवं नियमित गतिविधियों के सफल संचालन हेतु मार्गदर्शन, रासेयो के अभिलेखों का रखरखाव, रासेयो–सम्बन्धी लेखा पुस्तकें रखने के तरीके, खेल–सम्बन्धी मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व–विकास सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया।

विज्ञान मन्थन–यात्रा– 2014 में शामिल नवांकुर के 48 विद्यार्थियों का दल

सात दिवसीय विशेष–शिविर–गतिविधियाँ

प्रथम दिवस (दिनांक 21–12–13) :–

रासेया–शिविर के प्रथम दिन नवांकुर रासेयो के स्वयंसेवकों का दल गंजबासौदा के निकट ग्राम बालराकलाँ पहुँचा, जिसमें विद्यालय के 75 स्वयंसेवकों ने अपनी भागीदारी दर्ज की।

द्वितीय दिवस (दिनांक 22–12–13) :–

दिनांक – 21 से 27 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय–सेवा–योजना नवांकुर इकाई के विशेष शिविर का उद्घाटन–समारोह ग्राम बालराकलाँ में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के पूजन व दीप–प्रज्वलन से हुआ तत्पश्चात् विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार पिंगले ने कार्यक्रम के शुभारम्भ की विधिवत् घोषणा की।

इस अवसर पर श्री सुधीर श्रीवास्तव BAC, संजय विश्वकर्मा CAC, कृपाराम सेन CAC और सन्तोष रघुवंशी (शिक्षक बालराकलाँ) उपस्थित थे। स्वयंसेवक छात्रा कु. शिल्पा जैन, सुरभि बघेल, स्वाति तामेश्वरी ने प्रेरक गीत की प्रस्तुति दी। छात्र यशपाल रघुवंशी एवं शिवा राजपूत ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वयंसेवक दुष्यन्त आर्य ने रासेयो के प्रतीक चिन्ह व उद्देश्यों से सभी को परिचित कराया। रासेयो नवांकुर बालिका–इकाई–प्रभारी श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने शिविर योजना से अवगत कराते हुए रासेयो के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम–अधिकारी श्री हरिओमशरण शर्मा ने रासेयो से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों मे ग्रामवासियों की भागीदारी का आह्वान किया। नवांकुर प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नवांकुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से किये गये सराहनीय कार्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रमेश शर्मा, श्री पहलवानसिंह राजपूत, श्री केशव लाहौरी, श्री सन्दीप नारायण जेतली, श्री राजेश भारद्वाज आदि भी उपस्थित थे।

रासेयो नवांकुर–इकाई के पूर्व कार्यक्रम–अधिकारी श्री सन्दीप रावत ने राष्ट्रीय–सेवा–योजना के विगत शिविरों की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की तथा शिविर के उपरान्त स्वयंसेवकों की टोली ने गाँव में जाकर ग्रामवासियों को आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

तृतीय दिवस (दिनांक 23–12–13) :–

शिविर के तृतीय दिन परियोजना कार्य के अन्तर्गत श्रमदान से सम्बन्धित एक जन–जागरूकता–रैली का आयोजन किया गया तथा सोख्ता गड्ढों का निर्माण,

सड़क–मरम्मत कार्य आदि सम्पन्न किये गये। दोपहर में कला–प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ हुआ, जिसमें रासेयो की स्वयंसेवक छात्राओं द्वारा ग्राम की बालिकाओं को मेहन्दी, रंगोली, कढ़ाई–बुनाई, सिलाई आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

बौद्धिक सत्र के अन्तर्गत सम्पन्न कार्यक्रमों में गौरव रघुवंशी मुख्य अतिथि, जीतेश और प्रशांत विशेष अतिथि तथा अन्य अतिथियों के रूप में ग्राम के हरिसिंह रघुवंशी, गंगाराम रघुवंशी और प्रयागसिंह रघुवंशी उपस्थित थे।

बालिका इकाई–प्रभारी रेणु श्रीवास्तव ने सम्पूर्ण दिवस के कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

चतुर्थ दिवस (दिनांक 24–12–13) :–

शिविर के चौथे दिन कार्यक्रम में डॉ. अमितसिंह बघेल (बी.एच.एम.एस.), डॉ. राकेश श्रीवास (बी.एच.एम. एस.), विजय रघुवंशी (पत्रकार–फाइन न्यूज), कुलदीप पाठक (पत्रकार–फाइन न्यूज) एवं विद्यालय के आचार्यगण उपस्थित थे। डॉ. अमितसिंह एवं डॉ. राकेश श्रीवास ने ग्रामवासियों को विभिन्न रोगों के सम्बन्ध में जानकारियाँ दीं एवं लापरवाही व अस्वच्छता से होने वाले रोगों के बारे में बताया। इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं स्वयंसेवकों ने विभिन्न बीमारियों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर अतिथियों द्वारा दिये गये।

पंचम दिवस (दिनांक 25–12–13) :–

शिविर के पंचम दिवस बौद्धिक सत्र के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण और कृषि–विस्तार पर दो अलग–अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिला–सशक्तिकरण कार्यक्रम में महिला बाल–विकास–विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती आशा सक्सेना मुख्य अतिथि तथा आँगनबाड़ी कार्यकर्ता कमला पवार और प्रीति गौर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में ग्राम की अनेक महिलाएँ सम्मिलित हुईं। इस दौरान मुख्य अतिथि आशा सक्सेना ने महिलाओं को खान–पान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गाजर, आम, पपीता, सन्तरा, बेर आदि पीले फलों का सेवन करना चाहिये, जिनमें विटामिन ए और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जो अन्धेपन

को दूर करता है। मूँगफली के साथ गुड़ खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। इस अवसर पर ग्राम की महिलाओं ने अनेक प्रकार के प्रश्न भी पूछे और अतिथियों–आशा सक्सेना, कमला पवार और प्रीति गौर ने उनका निराकरण किया। प्रीति गौर ने अपने सम्बोधन में सरकार द्वारा संचालित जननी एक्सप्रेस, लाड़ली–लक्ष्मी–योजना, मुख्यमन्त्री कन्यादान–योजना, घरेलू हिंसा और उससे बचाव के उपाय आदि विषयों पर प्रकाश डाला। वहीं कार्यकर्ता कमला पवार ने अपने सम्बोधन में महिलाओं के कार्य–व्यवहार, पहनावा, घर को स्वर्ग को कैसे बनायें? जैसे विषयों पर महिलाओं को जानकारी दी। इस अवसर पर नवांकुर विद्यालय की अध्यापिका वन्दना भार्गव ने बेटियों के महत्व तथा रश्मि श्रीवास्तव ने 'तेरी पनाह में हमे रखना' गीत का गायन किया। बालिका–इकाई–प्रभारी श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने सास–बहू के सम्बन्धों पर प्रकाश डाला और अन्त में, अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

पुरुषों के लिए कृषि–विस्तार पर आयोजित परिचर्चा में एल.बी.एस. के रासेयो–अधिकारी मुख्य अतिथि डॉ. एम. के. सक्सेना ने अपने उद्‌बोधन में छात्रों के लिए रासेयो के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कृषि–महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार जगाजी ने कृषि से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर संक्षिप्त प्रकाश डाला तथा मिट्‌टी का परीक्षण कैसे करें ? चूहे कैसे भगायें ? किस खाद और उर्वरक का कितनी मात्रा में कैसे प्रयोग करें ? पाले के नुकसान से फसल कैसे बचायें ? आदि प्रश्नों का समाधान किया। एस. जी. एस. रासेयो के कार्यक्रम–अधिकारी डॉ. नरेन्द्र जी ने रासेयो के स्वयंसेवक के अनुशासन के सम्बन्ध में उद्‌बोधन दिया। इस अवसर पर अनेक ग्रामीणजनों

सहित विद्यालय–परिवार के आचार्यगण सुनील भावसार, शम्भूसिंह रघुवंशी, अरुण श्रीवास, प्रयागसिंह रघुवंशी, राजूलाल रैकवार और जवाहरसिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम–अधिकारी हरिओम शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन तथा वरिष्ठ आचार्य पहलवानसिंह राजपूत ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सन्ध्या के समय शिविर में भजन–सन्ध्या का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के आचार्य रामकिशन राठौर, कु. वन्दना भार्गव एवं उनकी मण्डली द्वारा मनमोहक भजन प्रस्तुत किये गये। शिविर में स्वयंसेवकों ने प्रतिदिन प्रातःकालीन योग–आसन, पी.टी. एवं प्राणायाम गतिविधियों में भाग लिया।

प्रतिदिन शिविर में शाम 4 बजे से 6 बजे तक राम–रावण युद्ध, रूमाल–झपट्‌टा, कितने बाय कितने आदि खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

षष्ट्म दिवस (दिनांक 26–12–13) :–

शिविर के छठवें दिन समापन–कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी कान्तिभाई शाह

जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। रक्त–सेवा–समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार जैन मुख्य अतिथि और पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष हरिनारायण शर्मा, नागरिक सेवा समिति के सदस्य शम्भूदयाल शर्मा, रक्त–सेवा–समिति के सचिव अनिल दुबे तथा कार्यालय–प्रभारी दिनेश तिवारी तथा ग्राम मूढ़रा के पूर्व सरपंच औतारसिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों ने माँ सरस्वती का पूजन किया, तत्पश्चात् स्वयंसेवक छात्रों ने सरस्वती–वन्दना का गायन किया। अध्यक्ष कान्ति भाई शाह जी ने ग्रामवासियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का सन्देश दिया तथा ग्राम के निर्धनजनों के बीच कम्बलों का वितरण किया, जिसकी ग्रामवासियों ने भरपूर सराहना की तथा नागरिक सेवा–समिति द्वारा नवांकुर के निर्धन छात्रों के सहायतार्थ दी जाने वाली राशि 5,000रु. से बढ़ा कर 10,000रु. प्रतिवर्ष करने की घोषणा की। स्वयंसेवकों द्वारा इन सात दिनों में ग्रामवासियों को रक्तदान तथा रक्त–परीक्षण के लिए जाग्रत किया गया। इसका यह परिणाम देखा गया कि जहाँ उद्घाटन–समारोह में ग्रामवासियों की नगण्य उपस्थिति थी, वहीं समापन–समारोह में सम्पूर्ण गाँव की भागीदारी रही। यह नवांकुर के स्वयंसेवकों द्वारा किये गये जनजागरण का परिणाम था। इतना ही नहीं, रक्त–समूह–परीक्षण के लिए कार्यक्रम स्थल पर लम्बी–लम्बी कतारें देखीं गयीं तथा 160 लोगों का रक्त–परीक्षण किया गया। इस अवसर पर ग्राम की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया, जिसका सम्पूर्ण व्यय पूर्व छात्र सन्तोष शर्मा और दिनेश तिवारी ने संयुक्त रूप से वहन किया गया।

वहीं मुख्य अतिथि राकेश जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवांकुर सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। रक्त–सेवा–समिति के सचिव अनिल दुबे ने रक्तदान के महत्त्व के बारे में बताया। स्वयंसेवकों के लिए हरिओम शरण शर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान विद्यालय की अध्यापिका सुश्री वन्दना भार्गव ने बाल–विवाह पर आधारित गीत ''बचपन में माई कर दई सगाई'' का गायन किया। स्वयंसेवकों ने ''पेड़ हैं जीवनदाता'' नाटक का मंचन किया, जिसकी दर्शकों द्वारा बड़ी सराहना की गई।

सप्तम दिवस (दिनांक 27–12–13) :–

समापन–दिवस पर स्वयंसेवकों द्वारा मतदाता–जागरूकता–रैली का आयोजन किया गया एवं स्वयंसेवकों ने घर–घर जाकर ग्रामीणों को मतदान की प्रेरणा दी।

अन्त में सभी स्वयंसेवकों ने गंजबासौदा की ओर प्रस्थान किया।

कैरियर

बैंकिंग

हमारा जीवन किसी-न-किसी रूप से बैंकिंग सेवाओं पर निर्भर है। यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था की जीवन-रेखा कहा जा सकता है। बैंकिंग-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली हर चीज अर्थव्यवस्था के हर पहलू को प्रभावित करेगी यानी आप बैंकिंग-क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, तो कई जिम्मेदारियों के लिए आपको तैयार रहना होगा, न सिर्फ संस्थान के प्रति, बल्कि पूरे समाज के प्रति भी।

वर्ष 1991 से आये बड़े बदलाव : इन दो दशकों में इस क्षेत्र में बड़े बदलाव आये हैं और इसने मजबूती से कई चुनौतियों का सामना किया है और उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। वर्ष 1991 से शुरू हुए वित्तीय सुधारों से भारत में बैंकिंग-क्षेत्र की कार्यप्रणाली में भारी बदलाव आया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने व अधिक मुनाफा कमाने की इच्छा के चलते माहौल बदला है। बदले माहौल के चलते अब अधिक कार्यकुशलता की अपेक्षा की जाती है। इण्डस्ट्री की स्थिति और अपनी ताकत व कमजोरियों के अनुरूप बैंकों को खुद बदलना पड़ा है।

बदलाव का दौर :

विवेकपूर्ण और मुनाफा देने वाले नियम लागू किये गये, ब्याज दरें बदलीं गयीं, एसेट क्वालिटी में सुधार हुआ, प्रवेश-नियम उदार किये गये, ग्राहकों के लिए नये प्रॉडक्ट (योजनाएँ) तैयार किये गये, पूँजी लगायी गयी और जोखिम-प्रबन्धन में सुधार किया गया। कुछ प्रमुख बैंकों तक ही सीमित रहने वाले बैंकिंग- व्यवसाय का स्वरूप बदला। आज वित्तीय उद्योग उपभोक्ता की जरूरतों, नई वित्तीय योजनाओं, तकनीकी बदलावों, मजबूती, तगड़ी प्रतिस्पर्धा और वित्तीय-समावेशन के कारण तेजी से बढ़ रहा है। हालाँकि प्रतिस्पर्धा, कड़ी नियामक-व्यवस्था, शेयर- होल्डरों द्वारा अधिक मुनाफे की माँग जैसी कई चुनौतियों से इस क्षेत्र को रू-ब-रू होना पड़ रहा है। भूमण्डलीकरण और वित्तीय-समावेशन की चुनौतियाँ तो खैर हैं ही हैं।

जरूरी खूबियाँ : बैंकिंग-क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं? यहाँ तरक्की करने और चुनौतियों से भरे कैरियर के पर्याप्त अवसर हैं, लेकिन पहले आपको इन अवसरों और चुनौतियों को गहराई से समझना होगा और तब विचार करना होगा कि क्या वाकई आप यह कैरियर चाहते हैं। आइये, कुछ चुनौतियों और अवसरों की समीक्षा करें।

लोगों को सम्भालना : बैंकर होने के नाते आपको लोगों को सम्भालने में सक्षम होना चाहिये, चाहे वे आपके ग्राहक हों या कर्मचारी। आज के प्रतियोगी- वातावरण में उपभोक्ता शंहशाह हैं। ग्राहक को सन्तुष्ट करने वाली वित्तीय सेवाएँ देना और शिकायतों का तुरन्त समाधान करना जरूरी है। उपभोक्ता की शिकायतों को ध्यान से सुनना और उन्हें सुलझाना होता है। बैंक-अधिकारी को वित्तीय सेवाओं पर लगने वाले शुल्क की जानकारी देने तथा ग्राहक की जागरूकता बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिये।

विषय की जानकारी : पिछले कुछ वर्षों में बैंकिंग- क्षेत्र में बहुत बदलाव और विकास हुआ है। आज कई तरह के उत्पाद और सेवाएँ हैं - सरल से लेकर जटिल तक। बैंकिंग-उद्योग को संचालित करने वाले नियमों से दो-चार रहना होता है। गहन ज्ञान जितना जरूरी है, उसे अपडेट करते रहना भी उतना है। अपने ज्ञान का विस्तार करने के लिए पढ़ते रहने की आदत डालें और ज्ञान ही कर्मचारी की सबसे बड़ी ताकत होता है। जरूरी है कि अपने ज्ञान को बैंकिग- क्षेत्र तक ही सीमित न रखें, बल्कि समय के साथ अर्थव्यवस्था की समझ विकसित करने के लिए अध्ययन जारी रखें, तभी आप समझदार बैंकर बन पायेंगे-ऐसा शख्स जो बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के प्रति संवेदनशील है।

विश्लेषण-क्षमता - दरअसल बैंकिंग-व्यवसाय जोखिम प्रबन्धन यानी रिस्क मैनेजमेण्ट है। तेज विश्लेषण-क्षमता के बिना जोखिम-प्रबन्धन का काम कुशलता से नहीं किया जा सकता। बैंकिंग-क्षेत्र का कर्मचारी होने के नाते इस क्षेत्र की वित्तीय मजबूती को आकार देने में आपकी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्राहक को कोई सेवा देते समय उसकी वित्तीय पृष्ठभूमि और आर्थिक स्थिति को समझने, उसका विश्लेषण करने का प्रयास करें। इससे नॉन परफॉर्मिंग लोन के सीमित रहने, पूंजी के समुचित उपयोग और अधिक मुनाफा अर्जित करने में मदद मिलेगी।

तकनीकी समझ : तकनीकी विकास ने बैंकिंग-सुविधा को खास से जनसाधारण तक पहुँचा दिया है। कम लागत वाली तकनीक की बदौलत बैंक अपना चेहरा बदलने में कामयाब रहे हैं। एटीएम, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और इण्टरनेट बैंकिंग की मदद से ग्राहक बैंक-शाखा जाये बिना ही पैसा निकाल सकता है। बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार के लिए आवश्यक बिजनेस कॉरेसपॉण्डेट मॉडल और मोबाइल बैंकिंग नवीनतम तकनीक पर आधारित है। एनईएफटी, ईसीएस और आरटीजीएसके जरिये इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजेक्शन ने फण्ड ट्रांसफर को

गति दी है। अच्छे दक्ष बैंकर को ग्राहक को सुविधा और मदद के लिए खुदको नवीनतम तकनीक से अपडेट करते रहना चाहिये। क्षेत्र से जुड़ी हर तकनीक को अच्छी तरह समझें। बैंक कुशल तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से ही नवीनतम टेक्नोलॉजी को अपने यहाँ लागू कर सकता है, इस सदी में तकनीकी रूप से साक्षर होना जरूरी है।

परीक्षा की तैयारी : पहले तो यह जानें कि क्या उपर्युक्त गुण आपके पास हैं या आप उन्हें विकसित करने को तैयार हैं। यदि हाँ, तो आप दक्षता विकसित करें और बैंकिंग में कैरियर के लिए पूरी तरह तैयार रहें। इस तरह पहले ही दिन से आप नौकरी में जमने लगेंगे। हर साल एक लाख से अधिक उम्मीदवार बैंकिंग प्रोबेशनरी-ऑफिसर की परीक्षा पास करते हैं और हजारों एसबीआई तथा एचडीएफसी जैसे निजी बैंकों की प्रवेश परीक्षा देते हैं। तो आपको भीड़ से अलग रहकर अपनी पहचान बनानी है और प्रतियोगिता पास करनी है। इन कॉन्सेप्ट्स की समझ आपको आगे रखती है :- बैंकिंग कॉन्सेप्ट्स, टूल्स, टेक्नीक और टेक्नोलॉजी, प्रोसेस और रेगुलेशन।

इन अवधारणा को समझ कर आप नियोजक के लिए सेवा के पहले दिन से ही उपयोगी बन जायेंगे। बैंक भी ऐसे ही कर्मचारी को पसन्द करते हैं, जो पहले ही दिन से कार्यभार ले सकें। इसलिए अपना समय और ऊर्जा बैंकिंग-सेक्टर में नौकरी-योग्य कौशल विकसित करने में लगायें, ताकि न सिर्फ आपको आसानी से नौकरी मिल जाये, बल्कि आप इसमें तरक्की भी पायें।

एक अच्छे बैंकर के गुण : लोगों के साथ अच्छा व्यवहार, बैंकिंग की गहरी समझ और जानकारी, विश्लेषण क्षमता और तकनीकी दक्षता

- **नवांकुर-पुस्तकालय** (कैरियर 360 से साभार)

Science Jobs & Careers

1. **Archaeologist:**-Archaeologists study human societies that lived in the past through the discovery and analysis of the things that they left behind. This conclude artifacts from millions of years ago right up to things developed in recent times.
2. **Biologist:-**Biologists study life in all its different forms, researching important processes and how organisms relate to their enviornment.
3. **Geneticist:-** Geneticists study genes, heredity and variation of living things.
4. **Psychologist**: Experts who specialize in various forms of Psychology (The study of mind) are known as psychologist.
5. **Marine Biologist**:Marine biologists study things that live in oceans.
6. **Meteorologist**:Scientists who study meteorology are called meteorologists. Mateorology is the study of atmosphere and it is especially useful for weather forecasting.
7. **Computer Scientist**:Computer Scientists apply their knowledge of information theory and computation to computer system.
8. **Astronomer:**Astronomers study objects found in space such as planets, moons, stars, solar systems and galaxies.
9. **Chemist:** Chemists study various chemical elements and compounds, their properties and how they work together in our bodies and the world around us.
10. **Engineer:** Engineers apply scientific and mathematic knowledge to create solutions for various technical problems. Different disciplines of engineering include chemical engineering, civil engineering, electrical engineering, and machanical engineering.
11. **Geologist:** Geologists are scientists who study the matter that makes up the earth. They also study the Earth's history and the process that have formed it.
12. **Physicist:** Scientists who research in physics are called physicists. Physics is an area of science that covers the study of matter energy and forces.
13. **Zoologist:**Zoologists study the behavior, physiology, classification and distribution of animals whether they are living or extinct.
14. **Mathematicion:**Mthematicions work in the field of mathematics studying quantities, space, structure, patterns and change.

- Anil Kumar Kushwah,
UDT (Maths)

Unreasonable haste is the direct road to error.

Engineering Exam Alert

Exam	Form's Start Notification	Last date of Submission	Exam Date	Forms Availability	Cost of Form	Remark/website
JEE (Main)	Nov.	Dec.	April	Online	800/- (UR & OBC) 400/- (SC/ST/Girls)	There are 2 modules Offline+Onine www.jeemain.nic.in
JEE (Advanced)	April	April	25/5/14	Online	2000/- (UR & OBC) 1000/- (SC/ST/PD)	Free of cost for Girls www.jeeadv.iitkgp.ac.in
ISI	Feb	March	May	Online	500 (UR) 250 (SC/ST)	Located at Kolkata www.isical.ac.in
BITSAT	Dec-Jan	Feb.	May -June	Online	1850/- (UR & OBC) 1750/- (SC/ST/PD)	Direct admission for Board's Topper www.bitsadmission.com
ISAT	May	Jul	Through JEE-Main	Online	600/- (UR & OBC) 300/- (ST/SC/Girls)	Good for research www.iist.ac.in
MP-PET (If held)	Jan	Feb	April	Online/ Offline	500/- (UR & OBC) 250/- (SC/ST)	Common test for Engg. & Pharmacy www.vyapam.nic.in
VIT	Dec.	Feb.	April	Online/ Offline	900/-	Located at Vallore www.vit.ac.in
DAIICT	June	July	Through JEE-Main	Axis Bank	1100/-	Further details will be provided in March. www.daiict.ac.in
LNMIIT	May	June	Through JEEMain/ Advance.	Online	1200/-	Located at Jaipur www.lnmiit.ac.in
NIRMA	April	May	Throug JEE-Main	Online	NA	Located at Ahmedabad www.nirmauni.ac.in
UPSESEAT (Petroleum & Energy studies)	April	May	May	Online/ Offline	1850/- by DD or Online Payment	Very renowned www.upes.ac.in
Comed-K-UGET	March	April - II Week	May	SBI Bank	1200/-	Karnataka State Level Exam/www.comedk.org
SRM Univeristy	Dec	March	April	Online/ Offline	900/-	Located at Chennai www.srmuniv.ac.in
Thapar University	April	Last week May	No entra. Exam	Online	1500/-	Located at Patiala www.thapar.edu
NEST	Jan.	Feb.	May	Online/ Offline	700/- (UR & OBC) 350/- (SC/ST/PD)	www.nestexam.in

Note-This information is gathered by us through different websites, so we are not responsible for any consequences.

By- **Yatendra Badonia** (Teacher-Navankur)

बच्चों की कलम

लहर नहीं, जहर हूँ मैं

पेप्सी बोली कोका कोला, भारत का इंसान है भोला।
विदेश से मैं आयी हूँ, साथ मौत को लायी हूँ।।
लहर नहीं जहर हूँ, मैं गुर्दों पर बढ़ता कहर हूँ।
मैं मेरी पीएच दो पॉइण्ट सात, मुझमें गिरकर गल जायें दाँत।
जिंक आर्सेनिक लेड हूँ मैं, काटे आँतों को वो ब्लेड हूँ मैं।
मुझसे बढ़ती एसिडिटी, फिर क्यों पीते भैया-दीदी।
ऐसी मेरी कहानी है, मुझसे अच्छा तो पानी है।
दूध दवा है, दूध दुआ है, मैं जहरीला पानी हूँ।
हाँ, दूध मुझसे सस्ता है। फिर पीकर मुझको क्यों मरता है।
500 करोड़ कमाती हूँ, विदेश में ले जाती हूँ।
शिव ने भी ना जहर उतारा कभी अपने कण्ठ के नीचे।
तुम मूर्ख नदान हो यारो, पड़े हुए हो मेरे पीछे,
देखो इंसान लालच में अंधा, बना लिया है, मुझको धंधा।
मैं पहुँची हूँ आज वहाँ पर, पीने का नहीं पानी जहाँ पर।
छोड़ो नकल व अक्ल से जियो, जो कुछ पीना संभल के पीओ।
इतना रखना अब तुम ध्यान, घर आय जब मेहमान।
इतनी तो तुम रस्म निभाओ, उनको भी कुछ कसम दिलाना।
दूध जूस गाजर-रस पीना, डालकर छाछ में जीरा पुदीना।
अनन्नास आम का अमृत, बेलफल का शरबत
स्वास्थ्यवर्धक नींबू का पानी, जिसका नहीं है कोई सानी।
तुम भी पीना और पिलाना, पेप्सी नहीं अब घर में लाना।
अब तो समझो मेरे बाप नहीं तो होगा वो अंजाम,
कर दूँगी मैं काम तमाम।

– **कु. खुशबू कुशवाह,** कक्षा-10

गाँधी जी

सच्चाई का लेकर शस्त्र,
और अहिंसा का लेकर अस्त्र।
तूने अपना देश बचाया,
गोरों को दूर भगाया।
दुश्मन से भी प्यार किया,
मानव पर उपकार किया।
गाँधी! करते तुझे नमन,
तुझे चढ़ाते प्रेम-सुमन।

– **शुभम रघुवंशी,** कक्षा-7

1 मिनट में

अक्सर हम बातों-बातों कह देते हैं कि बस एक मिनट और इसे बेहद मामूली समय समझते हैं, लेकिन आपको पता है कि इस एक मिनट में दुनिया में क्या-क्या हो जाता है:-

1 गूगल पर 6,94,445 सर्च हो जाते हैं।
2 98 हजार ट्वीट हो जाते हैं और 320 अकाउण्ट खुल जाते हैं।
3 60 नये ब्लाग अकाउण्ट खुल जाते हैं।
4 37 लोग स्काइप पर काल कर लेते हैं।
5 यूट्यूब पर 600 नये वीडियो अपलोड हो जाते हैं।
6 क्लिकर पर 6,600 फिल्में अपलोड हो जाती हैं।
7 150 करोड़ टेक्स्ट मैसेज भेजे जाते हैं।
8 168 करोड़ ई-मेल भेज दिये जाते हैं।
9 हमारें शरीर की 3 करोड़ कोशिकायें मर जाती हैं।
10 बिलगेट्स 15000 डालर कमा लेते हैं।
11 धूम्रपान से 7 लोग मर जाते हैं।
12 1 करोड़ सिगरेट पी ली जाती हैं।
13 258 शिशुओं का जन्म हो जाता है।
14 पृथ्वी पर 360 बार बिजली गिर जाती है।

– **विशाल दाँगी,** कक्षा-9

मेरा विद्यालय

यह नवांकुर विद्यालय, शिक्षा का उत्तम-आलय है।
पढ़ते यहाँ हजारों बच्चे, नीति-नियम के जो हैं सच्चे।
शिक्षिक यहाँ गुणी-विद्वान्, जो देते शिक्षा का ज्ञान।
अंग्रेजी यहाँ पढ़ायी जाती, संस्कृत यहाँ सिखायी जाती।
गणित यहाँ कराया जाता, कला यहाँ सिखायी जाती।
क्या-क्या नहीं पढ़ाई होती, मैं यह कहती थक जाती।
सर शैलेन्द्र दीक्षित यहाँ प्रिंसीपल,
जिनका अनुशासन बड़ा प्रबल।
यह नवांकुर विद्यालय है, शिक्षा का उत्तम आलय है।

– **कु. संगीता रघुवंशी**
कक्षा-7

सक्सेस

माइकेल एंजिलो बहुत समय से एक मूर्ति पर काम कर रहे थे। उसमें बहुत समय लग रहा, क्योंकि वे हर बारीकी पर बहुत समय और ध्यान लगा रहे थे। पास में खड़े व्यक्ति को ये सब बिना वजह का लग रहा था। जब उसने माइकल एंजिलो से पूछा कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं, तब उन्होंने जवाब दिया- छोटी-छोटी बातें इंसान को परफैक्ट बनाती हैं।

मार्टिन लूथर किंग- जूनियर भी कहा करते थे, अगर आदमी को सड़क साफ करने का काम दिया जाये, तो उसे वैसे ही सफाई करना चाहिये। जैसे माइकेल एजिलो पेंटिंग करता हो या बीथोवन संगीत की रचना करता हो या शेक्सपियर कोई कविता लिखता हो। उसे सड़क की सफाई इतनी अच्छी तरह से करना चाहिये कि स्वर्ग और पृथ्वी, दोनों जगह के लोग रुककर बोलें कि यहाँ सड़क की सफाई करने वाला रहता था, जिसने अपना काम गर्व से और बहुत अच्छी तरह किया।

जॉन एच रोड्स कहते हैं:-

सिर्फ जिन्दगी न गुजारो-जीओ,
सिर्फ छुओ नहीं-महसूस करो,
सिर्फ देखो नहीं-गौर करो,
सिर्फ पढ़ो नहीं-जीवन में उतारो,
सिर्फ सुनो नहीं-ध्यान से सुनो,
सिर्फ ध्यान से ही न सुनो-समझो।

दोस्तो, हो सकता है कि बेहतर काम करने के लिये कोई आपकी तारीफ न करे, पर यह जान लें कि बढ़िया काम करने का एहसास ही खुद में एक बड़ा पुरस्कार है।

- कु. आकांक्षा चौधरी, कक्षा-9

प्रार्थना

विनती हमारी सुनो भगवान,
हमको दो ऐसा वरदान।
पढ़-लिखकर हम बने महान,
हम पर दया करो भगवान।

- सुरेन्द्र सिंह दाँगी
कक्षा-5

जरा सोचिये?

एक सवाल जो शायद ही कभी अपने आप से किया हो और वो सवाल है कि क्या हमने अपने देश के लिये कभी कुछ किया है? शायद नहीं।

सिर्फ सरहद पर पहरा देता सिपाही ही देश के लिए कुछ करता है। हम अपने निजी जीवन में जीते हुए भी बहुत कुछ कर सकते हैं। क्या कभी रास्ते में बहते हुए नल को जो व्यर्थ पानी बहा रहा है। हमने उसको बन्द किया है या फिर मैंने ट्रेन में सफर करते हुए कभी दिन में लाईट या बेकार में चल रहे पंखे को बंद किया है। आखिर वह भी तो हमारे देश की बिजली से चलता है। अगर देश का हर नागरिक अपना 100 प्रतिशत दे, तो शायद देश की तस्वीर और भी बदल सकती है, लेकिन इसके लिए हमें पहले अपने-आप को और अपनी नकारात्मक सोच को बदलना पड़ेगा। जिस दिन ये हो गया, उस दिन हम अपने देश के सिपाही बन जायेंगे। ज्यादा मुश्किल नहीं है, कुछ करके देखिये, अच्छा है। तो फिर, जरा सोचिये।

कु. सोनम पंथी, कक्षा-9

समय

मनुष्य के पास ईश्वर-प्रदत्त पूँजी है-समय। समय संसार की सबसे मूल्यवान् सम्पत्ति है, जिसकी कीमत पर संसार की कोई सफलता प्राप्त की जा सकती है। समय का सदुपयोग करने वाले व्यक्ति कभी असफल नहीं हो सकते। व्यक्ति को समय की कमी का रोना कभी नहीं रोना चाहिये, क्योंकि संसार में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं है, जिसे विधाता ने चौबीस घण्टे में एक पल भी कम समय दिया हो। जिसे तुम समय की कमी कहते हो, वह समय की कमी नहीं, समय की अव्यवस्था है। इसी कारण समय अनुपयोगी कार्यों में लग जाता है। जो व्यक्ति समय का सदुपयोग नहीं कर पाते, वे जीवन जीते नहीं हैं, बल्कि काटते हैं, नष्ट करते हैं। मैं आप सभी विद्यार्थियों से सिर्फ यही कहूँगी कि आप सभी लोगों को समय की अहमियत समझना चाहिये। कई विद्यार्थी ऐसे होते हैं, जो स्कूल खुलने पर तो यह कहते हैं कि अब हम समय का सदुपयोग करेंगे। अच्छी तरह से पढ़ाई करेंगे, पर वे ऐसा नहीं करते हैं। मैं उन सभी से कहना चाहती हूँ कि समय का महत्त्व समझिए, क्योंकि समय कभी किसी के लिए रुकता नहीं है और न ही कभी लौटकर आता है।

- कु. रिया तिवारी, कक्षा-9

समय पर करें कार्य

एक दिन एक दर्शक चित्रशाला में गया, वहाँ महात्माओं, संन्यासियों, देवताओं, अपसराओं और पशु-पक्षियों के बड़े सुन्दर-सुन्दर चित्र थे। दर्शक बारी-बारी से सब चित्र देखने लगा। एक चित्र बड़ा अद्‌भुत था। उसे देखकर दर्शक ने चित्रकार से पूछा- यह किसकी तस्वीर है? चित्रकार ने उत्तर दिया- समय की। दर्शक ने उससे तुरन्त पूछा-लेकिन इसके पैरों में पंख क्यों लगे हैं? चित्रकार क्योंकि यह एक स्थान पर कभी ठहरता नहीं है और बहुत तेज उड़ता चला जाता है। एक बार निकल जाने पर समय को फिर कोई नहीं पकड़ सकता। दर्शक -इसका मुख बालों से क्यों ढका है? चित्रकार -क्योंकि जब समय पास आता है, तो यह पहचाना नहीं जाता। लोग आये हुए समय को पहचान नहीं पाते। दर्शक-इसके सिर के अगले भाग में तो बाल हैं, किन्तु पीछे से यह गंजा क्यों है? चित्रकार-क्योंकि समय को आगे से तो पकड़ा जा सकता है, पर पीछे से नहीं? बीत जाने पाने पर फिर यह किसी के हाथ नहीं आता। चले जाने पर तो देवता भी उसे नहीं पकड़ सकते। इसलिये समय को हाथ से नहीं निकलने देना चाहिये, सभी काम समय पर कर लेना चाहिये।

- **कु. खुशी साहू,** कक्षा-3

सबसे बड़ी दस बातें

सर्वोत्तम दिन-आज,
सर्वोत्तम समय-अभी,
सबसे बड़ी आवश्यकता-सामान्य ज्ञान,
सबसे विश्वसनीय मित्र-स्वयं का मन,
सबसे बड़ा पाप-भय,
सबसे बड़ी भूल- समय का अपव्यय,
सबसे बड़ी बाधा-अधिक बोलना,
सबसे बुरी भावना-ईर्ष्या,
सबसे बड़ा दरिद्र-उत्साहहीन,
सबसे बड़ा भाग्यशाली-कार्य-रत।

- **आशीष अहिरवार,** कक्षा-7

पढ़ ले भाई

पढ़ ले भाई पढ़ ले,
तेरे काम आयेगा।
शिक्षा का यह धन,
कोई चुरा न पायेगा।
शिक्षित हो जायेगा,
तो अनपढ़ न कहलायेगा।
रोजी-रोटी नौकरी,
तो जीवन में पा जायेगा।
पढ़-लिख कर तू भी,
होशियार बन जायेगा।
मिट से तेरे अनपढ़ का नाम,
देख मिट जायेगा।
देख ले तेरे जीवन में,
खुशनुमा वक्त आ जायेगा।
अखबार, पत्रिका और किताब,
सब कुछ तू पढ़ पायेगा।
ज्ञान का दीप जलाकर,
अज्ञान को दूर भगायेगा,
फिर तो देश हमारा,
साक्षर ही बन जायेगा।
पढ़ ले भाई पढ़ ले,
तेरे काम आयेगा।।

-**शरद विश्वकर्मा,** कक्षा-4

बस्ते का वजन

बस्ते का वजन, कुछ तुम खुद भी घटाओ।
टाइम टेबल के अनुसार ही कॉपी-किताबें ले जाओ।
सोने से पहले प्रतिदिन बस्ता फिर से लगाओ।
बस्ते को मालगोदाम, कचरा-पेटी न बनाओ।
बेकार की हर वस्तु बस्ते से हटाओ।
फिर अपने स्कूल में जाओ।

- **सर्वांग शर्मा**, कक्षा-3

An intelligent person not only knows how to take advice but also how to reject it.

बेटियाँ

आँसू नहीं वह, मोतियों की लड़ी है,
आँगन में जिनके, बेटी खड़ी है।
हँसी से उसकी, घर दमकता है,
जैसे हीरे की कनी, सोने में जड़ी है।
सिर को दबाती, हाथ भी बँटाती है,
माँ के साथ वह, रसोई में खड़ी है।
कलाई में भइया के संसार को बाँधे,
खुशियों की वह अनमोल घड़ी है।
गुड्डे–गुड़ियों के खेल में जो डूबी,
घूँघट में जैसे परी, नन्हीं खड़ी है।
जायेगी एक दिन, डोली में बैठकर,
आँसुओं में भी, खुशियों की झड़ी है।
जोड़गी घर को, जब बहू बनकर।
मर्यादा की वह मजबूत कड़ी है।
माँ से बेटी का यह, ममत्व का रिश्ता,
जिस्म जैसे हर साँस जुड़ी है।

– **कु. सुरुचि कुर्मी,** कक्षा– 7

शिक्षक

राह सही जो हमें बताते।
जीवन का सच्चा अर्थ बताते।
गुरु बड़े होते हैं भगवान से।
परिपूर्ण बनाते हैं वो ज्ञान से।
होते हैं गुरु के बोल, सरस्वती की बानी।
विद्यालय जाकर हमने यह बात रहस्य की जानी।
सत्य और झूठ में अन्तर करना हमें सिखाया।
मार्ग धर्म का उन्होंने हमें दिखाया।
उन्होंने जलाये सब में ज्ञान के दिये
कितने उपकार हैं हम पर किये।।
करता है मन चरणों में लगाऊँ मैं चन्दन।
कक्षा में आपका करता हूँ सादर अभिनन्दन।।
आवाज ज्ञान की आपने हमें सुनाई।
देता हूँ मैं गुरु–पूर्णिमा की हार्दिक बधाई।।

– **विकास मीना**, कक्षा–12

जीयो, तो ऐसे जीयो

क्षमा, नम्रता, प्रेम, धन, सब धर्मों में प्रीत।
अच्छाई में अमृत है, सच्चाई में जीत।
अरुणोदय से पूर्व उठ, लो ईश्वर का नाम।
स्वस्थ रहो सुख शान्ति दो, आओ सबके काम।।
नवधा भक्ति, विवेक, गुण, परहित में हो ध्यान।
सब धन लो सत्संग से, रखो पढ़ाई में ध्यान।
गुरु की, माता–पिता की, कभी न काटो बात।
अनुशासन पालन करो, करो न तुम उत्पात।
कर्म करो कर्त्तव्य से खूब बढ़ेगा मान।
औरों को सम्मान दो, पाओगे सम्मान।।
हर पल यहाँ अमूल्य है, समय न खोना व्यर्थ।
हर क्षण उपयोगी रहे, हर क्षण का है अर्थ।।
ईश्वर एक अनेक हैं, उस ईश्वर के नाम।
कण–कण में वह व्याप्त है, हर घर उसका धाम।
अच्छे ग्रन्थों को पढ़ो, जिनसे उठे चरित्र।
नाम तुम्हारा अमर हो, जीवन रहे पवित्र।।

– **कु. मेघा रघुवंशी**
कक्षा–6

जीवन का गणित कैसा है ?

जीवन का गणित

(1) जीवन + प्यार = खुशी

(2) जीवन – प्यार = गम

(1) व (2) को जोड़ने पर

2जीवन = खुशी+गम

जीवन = (खुशी+गम) /2

जीवन = 1/2(खुशी)+1/2(गम)

खुशियों और गमों से मिलकर ही जीवन बनता है।

– **सौरभ तामेश्वरी,** कक्षा–9

STUDENT

1. **STUDENT** शब्द का पहला अक्षर **"S"** है, जो **Social** अर्थात् सामाजिक शब्द को प्रकट करता है। विद्यार्थी को अधिक-से-अधिक भलाई के कार्य करने चाहिये।
2. **STUDENT** शब्द का दूसरा अक्षर **"T"** है, जो **Truth** अर्थात् सत्य है। अत: विद्यार्थी को हमेशा सत्य बोलना चाहिये।
3. **STUDENT** शब्द का तीसरा अक्षर **"U"** है, जो **Understanding** अर्थात् समझ को प्रकट करता है। अत:, विद्यार्थी को हमेशा सोच-विचारकर कार्य करना चाहिये।
4. **STUDENT** शब्द का चौथा अक्षर **"D"** है, जो **Discipline** को अर्थात् अनुशासन को प्रकट करता है । अत:, विद्यार्थी को हमेशा अनुशासन में रहना चाहिये।
5. **STUDENT** शब्द का पाँचवा अक्षर **"E"** है, जो **Education** अर्थात् शिक्षा को प्रकट करता है। अत:, विद्यार्थी को शिक्षा ग्रहण करके कुशल व योग्य नागरिक बनना चाहिये।
6. **STUDENT** शब्द का छटवाँ अक्षर **"N"** है, जो **Nature** को प्रकट करता है। अत:, विद्यार्थी को हमेशा स्वाभाविक रूप से व्यवहार करना चाहिये।
7. **STUDENT** शब्द का सातवाँ व आखिरी अक्षर **"T"** है, जो **Try** को प्रकट करता है। अत:, विद्यार्थी को हमेशा प्रयत्नशील रहना चाहिये।

– **सुमन सौजन्य**, कक्षा-9

भारत के प्रमुख शोध-संस्थान

1. भारतीय कृषि अनुसन्धान-संस्थान-नई दिल्ली।
2. केन्द्रीय गन्ना अनुसन्धान-संस्थान-कोयम्बटूर।
3. केन्द्रीय औषधि अनुसन्धान-संस्थान-लखनऊ।
4. भारतीय मौसम विज्ञान-संस्थान-नईदिल्ली।
5. भाभा परमाणु अनुसन्धान-संस्थान-ट्राम्बे।
6. केन्द्रीय व अनुसन्धान-संस्थान-देहरादून।
7. भारतीय खगोल-संस्थान-बंगलौर।
8. केन्द्रीय चावल-अनुसन्धान-संस्थान-कटक।

– **विनय सोनी,** कक्षा- 11

अपना ज्ञान बढ़ायें

क्या आप जानते हैं ?

1. नाखून काटने पर दर्द क्यों नहीं होता है ?

उत्तर-हमारे नाखून क्यूटिकल से बने होते हैं, जिनका सम्बन्ध रक्त, त्वचा या मज्जा से नहीं होता। इसलिए जब हम इन्हें काटते हैं, तो इनसे किसी तरह की शारीरिक क्षति नहीं होती है और हमें दर्द नहीं होता।

2. गर्म जल के झरने कैसे बनते हैं ?

उत्तर-जिन क्षेत्रों में ज्वालामुखी अधिक सक्रिय होते हैं, वहाँ भूमिगत जल पृथ्वी के अन्दर गर्म और अति गर्म भाप के सम्पर्क में आकर शीतलता खो देता हैऔर उसका जल भी गर्म होकर गर्म जल के झरने या गीजर के रूप में धरातल से प्रस्फुटित हो जाता है।

3. पानी पीकर दौड़ने से पेट में दर्द क्यों होने लगता है ?

उत्तर-खाना खाने अथवा प्रचुर मात्रा में तरल पदार्थ पीने के उपरान्त हमारे पेट और अन्तड़ियों को इन्हें पचाने के लिए अतिरिक्त रक्त की आपूर्ति की आवश्यकता पड़ती है। दौड़ने, तैरने अथवा यहाँ तक कि चलने जैसे व्यायामों के लिए भी अतिरिक्त रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसी स्थिति में हमारी माँसपेशियाँ ऑक्सीजन के अभाव में दबाव का अनुभव करती हैं, जो पानी जैसे उच्च घनत्व वाले पदार्थ के पेट में जाने पर माँसपेशियों को और दबाता है।

– **कु. मेघा रघुवंशी** , कक्षा-12

विश्व के प्रसिद्ध स्थान

1 पिरामिड किस देश के प्रसिद्ध हैं ?
2 महान् दीवार किस देश की प्रसिद्ध है ?
3 झूलते बगीचे कहाँ के प्रसिद्ध हैं ?
4 पीसा की झुकी हुई मीनार किस देश में स्थित है ?
5 आर्टेमिस का मन्दिर कहाँ पर स्थित है ?
6 अलेक्जेण्ड्रिया का प्रकाश-स्तम्भ कहाँ पर स्थित है ?
7 एफिल टावर किस देश में स्थित है ?
8 गोल्डन पैगोडा किस देश में स्थित है ?
9 अंकोरवाट किस देश में स्थित है ?
10 बेथलेहम कहाँ स्थित है ?

Kindness is a language the dumb can speak and the deaf can hear and understand.

11 हॉलीवुड कहाँ स्थित है ?
12 10 डाउनिंग स्ट्रीट कहाँ स्थित है ?
13 एम्पायर स्टेट बिल्डिंग कहाँ स्थित है ?
14 पर्ल हारबर कहाँ पर स्थित है ?
15 लुम्बिनी किस देश में स्थित है ?
16 मरडेका पैलेस कहाँ स्थित है ?
17 हवाना कहाँ स्थित है ?
18 पैण्टागन कहाँ स्थित है ?
19 काबा कहाँ स्थित है ?

उत्तर:- मिस्र, चीन, बेयीलोन, इटली, तुर्की, मिस्र, फ्रांस, म्यांमार, कम्पोडिया, फिलिस्तीन, अमेरिका, लन्दन, न्यूर्याक, स.रा.अमेरिका, नेपाल, जकार्ता, क्यूबा, वाशिंगटन, मक्का।

ताकत भारत की

1 लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था,
2 बढ़ती सामरिक क्षमता,
3 विश्व में सबसे अधिक न्यूज चैनलों वाला देश,
4 नॉलेज हब के रूप में उदीयमान,
5 विश्व की सबसे युवा कार्य-शक्ति,
6 अपार सौर-ऊर्जा का भण्डार,
7 नदियों और खनिजों सम्पदाओं से युक्त देश,
8 उत्पादों की गुणवत्ता की विश्व में साख,
9 विज्ञान के क्षेत्र में नित नयी प्रगति,
10 दुनिया का सबसे बड़ा अर्द्धसैनिक बल नेटवर्क,
11 आई.आई.एम. और आई.आई.टी. जैसे शिक्षण- संस्थान, जिनके छात्रों की विश्वभर में धूम है,
12 साफ्टवेयर व सेवा-क्षेत्रों में भारत दुनिया में आगे,
13 सबसे अधिक 35 लाख विद्यार्थियों का नामांकन करने वाला विश्वविद्यालय इग्नू भारत में है,
14 भारत की मुम्बई उपनगरीय रेलवे रोजाना यातायात में प्रतिदिन 72 लाख यात्रियों के साथ विश्व का दूसरा सबसे व्यस्त रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम है,
15 वैश्विक परिदृश्य में मजबूत मौजूदगी,

- प्रयास रैकवार
कक्षा-9

विश्व की जानकारी

1 क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश रूस है।
2 जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा देश चीन है।
3 विश्व की सबसे ऊँची रिहायशी इमारत प्रेट्रानास टॉवर है।
4 विश्व का सबसे लम्बा झूले वाला पुल अक्स ही केयको (जापान) है।
5 विश्व का सर्वाधिक सोना-उत्पादक देश दक्षिण अफ्रीका है।
6 विश्व का सबसे बड़ा समुद्री जहाज ग्रैण्ड प्रिंसेस (इटली) है।
7 विश्व का सबसे बड़ा हीरा-उत्पादक देश ऑस्ट्रेलिया है।
8 दूध की शुद्धता लैक्टोमीटर द्वारा मापी जाती है।
9 भारत में रेल के डिब्बे पेराम्बूर में बनाये जाते हैं।
10 विश्व का सबसे जहरीला सर्प हाइड्रोफिश है।
11 सबसे अधिक आयु वाला जन्तु कछुआ (टेसटूडो सुमीरी) है।
12 विश्व का सबसे भारी जीव नीली ह्वेल है।

- नरेन्द्र राजपूत, कक्षा-8

******

1 अन्तरिक्ष में जाने वाली पहली महिला थी-वेलेण्टिना तेरेश्कोवा (रूस)।
2 पृथ्वी-दिवस किस तारीख को मनाया जाता है-22 अप्रैल।
3 एलोरा की गुफाएँ कहाँ पर स्थित हैं-औरंगाबाद (महाराष्ट्र)।
4 भारत में तोता-ए-हिन्द के नाम से किसे जाना जाता है-अमीर खुसरो।
5 भारत का शेक्सपियर किसे कहा जाता है-महाकवि कालिदास।
6 भारत रत्न से सर्वप्रथम किसे सम्मानित किया गया-डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन को।
7 मध्य प्रदेश की गंगा किस नदी को कहा जाता है-बेतवा।
8 भारतीय संविधान के निर्माण में कुल कितना समय लगा-2 वर्ष 11 माह और 18 दिन।
9 भारत का राष्ट्रीय वृक्ष-बरगद।
10 भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव-डॉल्फिन।
11 भारत का राष्ट्रीय फल-आम।

- प्रथम जैन, कक्षा-9

पहेलियाँ

बूझो तो जानें.....

1 वह पाले नहीं भैंस या गाय, फिर भी खाये दूध मलाई। घर बैठे ही कर शिकार, शेर भी गया उससे हार।।

2 तीन आखर का नाम मेरा,
बीच कटे गाय-भैसों का डेरा।
आखिर कटे तो सब खायें,
भारत के तीन तरफ दिखायें।

3 भैया मैं हूँ तीन पंख का, चार महीने पाता आराम।
बिजली का प्रवाह सह सकता,
घण्टों मैं तो चलता ही रहता।

4 हरी हाँडी में है लाल भात,
सर पर नाक है पैर में दाँत।
भीगा हुआ नकरा उसका नाम,
भूख-प्यास का तो काम तमाम।

5 चलते-चलते वह शब्द सुनाती,
कभी नहीं दृष्टि में आती।
साथ रहे वह कहीं जाती,
चली-चली यह दुनियाँ कहती।

6 साथ रहूँ मैं गृहिणी के और देख बजाऊँ सीटी,
फिर भी कोई बुरा न माने करे न मेरी पिट्टी।

7. दुम कटे तो सीता शीश कटे तो मित्र।
बीच कटे तो खोपड़ी, पहेली है बड़ी विचित्र।

उत्तर-बिल्ली, सागर, मकान, पंखा, तरबूज, हवा, प्रेशर- कुकर, सियार।

- **भूपेन्द्र रघुवंशी**, कक्षा-8

1. गर्म किये बगैर माध्यम को जाये वस्तु अन्यत्र कहो, कौन-से नाम से यह विधि है प्रसिद्ध सर्वत्र?
2. बने जहाँ प्रतिबिम्ब अनोखा, वह सतह क्या बोलो, बुद्धिमान् का दर्जा पाओ, मुख को जल्दी खोलो।
3. आकाशीय एक पिण्ड जब है दूजे को ढँकता, इस घटना को क्या कहते हैं बूझ कौन है सकता?
उत्तर-विकिरण, पर्दा, ग्रहण।

- **अमित रघुवंशी,** कक्षा-10

आओ हँसें

एक आदमी-बेटा तुम्हारी उम्र क्या है?
बच्चा-जी, घर में 14, स्कूल में 12, ट्रेन में 7, और..... फेसबुक पर 18।

छोटू (दुकानदार से): अंकल! रंग गोरा करने वाली क्रीम है?
दुकानदार (छोटू से): हाँ, है.....
छोटू: तो लगाते क्यों नहीं, मैं रोज आपको देखकर डर जाता हूँ।

मरीज-डॉक्टर साहब, आपने मुझे जो चश्मा दिया था, उससे हर चीज दो-दो दिखायी दे रही हैं।
चश्मा पहने हुए डॉक्टर बोला-अच्छा पहले यह बताओ तुम चार-चार लोग एक साथ अन्दर क्यों आये?

- **अमित गुर्जर,** कक्षा-9

टीचर-आज का पेपर आसान था या मुश्किल?
स्टूडेण्ट-पढ़ने में आसान था, पर करने में मुश्किल।

टीचर-क्यों राजू, मैंने तुम्हें कुत्ते पर निबन्ध लिख कर लाने को कहा था, तुमने क्यों नहीं लिखा?
बच्चा - टीचर, मैंने जैसे ही कुत्ते पर पेन रखा, तो वो भाग गया।

बच्चा-आण्टी! मम्मी ने कटोरी दी है और कहा है कि आण्टी से चीनी ले आना।
आण्टी-और क्या कहा है मम्मी ने?
बच्चा-मम्मी ने कहा है कि वह चुड़ैल न दे, तो उसके बगल वाली आण्टी से ले आना।

अध्यापिका-जो काम तुमने नहीं किया है, उसके लिए तुम्हें कभी सजा नहीं मिलेगी।
पिन्टू-धन्यवाद! आज मैंने होमवर्क नहीं किया है।

- **सचेन्द्र सिंह रघुवंशी,** कक्षा-8

1. सन्ता टीचर बन गया.....
उसने परीक्षा के लिए सवाल बनाये। पेपर पढ़ते ही सारे छात्र हैरान हो गये। सवाल थे.....
* चीन किस देश में है?
* 15 अगस्त किस तारीख को आता है?
* ग्रीन कलर किस रंग का होता है?

Good manners are the small coins of virtue.

* टमाटर को हिंदी में क्या बोलते हैं?

* मुमताज की कब्र में कौन दफन है?

2 एक बार पप्पू का परीक्षा–परिणाम आया, तो वह अपना रिपोर्ट–कार्ड लेकर अपने घर पहुँचा।

पापा – पप्पू ! तुम्हारा परीक्षा–परिणाम आया क्या?

पप्पू – जी, पापा।

पापा – तो क्या रहा, तुम्हारा परीक्षा–परिणाम?

पप्पू – पापा एक अच्छी खबर है और एक बुरी खबर है। अब आप बताइये, पहले कौन–सी बताऊँ?

पापा – पहले अच्छी खबर बता।

पप्पू – जी, मैं पास हो गया।

पापा– अरे वाह! और बुरी खबर क्या है?

पप्पू – जी, अच्छी खबर झूठी है।

– **कु. शुभांगी यादव**, कक्षा–9

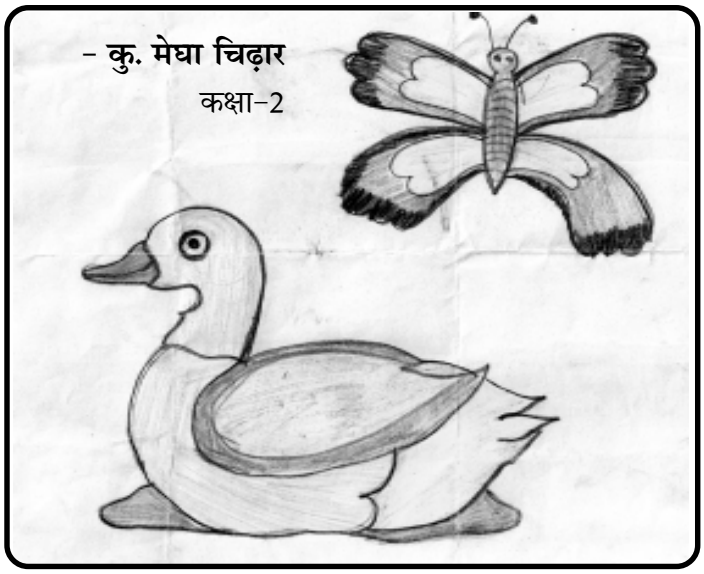

– **कु. मेघा चिढ़ार**
कक्षा–2

अपनी अक्ल लगाओ

1 मेरे नाम से सब हैं डरते, मेरे लिए मेहनत हैं करते।

2 न देखे न बोले, फिर भी भेद खोले।

3 लाल गाय लकड़ी खाय, पानी पीये मर जाये।

4 क्षण–भर प्रकाश डालता हूँ, सब कुछ मैं देख लेता हूँ, जो देखा वह दिखाता हूँ, बताओ बच्चो मैं कौन हूँ?

5 पढ़ने में – लिखने में दोनों में ही मैं आता हूँ काम। पेन नहीं हूँ, कागज नहीं हूँ, सोचो फिर क्या है मेरा नाम।

उत्तर–परीक्षा, पत्र, आग, कैमरा, चश्मा।

आदित्य अग्रवाल, कक्षा–5 (डॉल्फिन)

DOLPHIN

DUSSHERA AND DIWALI CELEBRATION

In the Dolphin campus our Dolphin buds celebrated victory over evils by performing skit of lord Rama killing Ravan.

After victory Lord Rama returned to Ayodhya. Students celebrated this day by lighting the diyas and singing, dancing. They organised Rangoli, diya making, with help of edible items. They have shown remarkable creativity.

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दिये गये प्रतिभागी छात्रों को पुरस्कार

भारतीय जीवन बीमा निगम की गंजबासौदा शाखा के सौजन्य से, बीमा–सप्ताह के अन्तर्गत शाखा–प्रबन्धक श्री अजिंक्य कदम, श्री सुदेश नेमा एवं श्री राजेश पटेल (सहायक प्रबन्धक) द्वारा नवांकुर विद्यापीठ एवं डॉल्फिन में विभिन्न प्रतियोगिताएँ सम्पन्न करवायी गयीं। इस अवसर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी–विभाग में एक निबन्धा–प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें छात्र/छात्राओं को अपनी इच्छा–अनुसार विषय का चुनाव कर निबन्ध

लिखना था। **इसमें 67** छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में हाईस्कूल विभाग में कु. प्रज्ञा श्रीवास्तव पुत्री श्री संजय श्रीवास्तव, कक्षा–10 ने **मेरा बासौदा**, कु. साक्षी रघुवंशी पुत्री श्री वीरेन्द्रसिंह, कक्षा–10 ने **पर्यावरण**, कु. सोनिका रघुवंशी पुत्री श्री भारतसिंह रघुवंशी, कक्षा–10 ने **पर्यावरण–प्रदूषण** विषय पर आधारित निबन्ध लिखकर क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी विभाग में कु. सुरभि बघेल पुत्री तारानसिंह, कक्षा–12 ने **बीमा**, कु. प्रीति राजपूत पुत्री श्री महाराजसिंह, कक्षा–11 ने **साक्षरता का महत्त्व**, कु. सोनिया पाठक पुत्री श्री सुनील पाठक, कक्षा–11 ने **कन्या–भ्रूण–हत्या** विषय पर आधारित निबन्ध लिखकर क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस दौरान डॉल्फिन स्कूल के माध्यमिक–विभाग में आयोजित पेण्टिंग–प्रतियोगिता में 50 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें छात्र दीपेश पुत्र घनश्याम साहू ने प्रथम, हर्ष दिवाकर पुत्र श्री महेन्द्र दिवाकर ने द्वितीय तथा अवि रिछारिया पुत्र अरविन्द रिछारिया तथा प्रांजल जैन पुत्र श्री सुनील कुमार जैन ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस उपलक्ष्य में निगम की गंजबासौदा–शाखा द्वारा विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये गये।

विद्यालय–परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विजेता–प्रतिभागियों को बधाई दी है तथा भारतीय जीवन बीमा निगम की गंजबासौदा–शाखा को साधुवाद दिया है।

Children Day celebration

Our school had celebrated the birthday of our beloved Chacha Nehru with great joy. Various cultural activities were performed by students. And teachers expressed their feeling towards the children by performing the group dance. Winner of various competitions awarded by prizes.

In noon shift fancy dress competition was organised, our kids came in different characters like fairies, Krishna, Sudama, some were film stars etc.

At the end of the celebration children enjoyed the sweets.

- Miss. Shefali Sen, Asst. Teacher, Dolphin

Dolphin Historical Tour

Since the Dolphin started inyear 2013, it is ready to create history to plan an educational trip to make students aware with different cultural Indian glory and our historical importance. So students thought about western and central part of our country. Its Jaipur, Agra, Jodhpur, Fatehpur Sikri from 6th to 9th class, 60 students and 10 teachers are the part of this trip. On 16 November they had started their journey from Ganj Basoda to Jaipur. Next day students reached the Pink city and they visited a historical place Elbert Hall which is an artillery museum, zoo, planetorium. On the second day, they went to Jantar-Mantar after visiting it; they were surprised with the brilliancy and accuracy which still give ideas to the mathematicians about astrological calculations; after that they show beyond imagination the beauty of Aamer palace, it was best example of architecture of ancient period. On 3rd day they enjoyed in water park, after that they observed the scientific knowledge in science centre, then they moved to Agra to see Taj Mahal one of the wonders of world. They sterned by looking unbelievable creation made by white marble. They had also visited Fatehpur-sikri. They saw Jodhabai palace, Buland Darwaja (The world's highest gate).Same day they had gone to visit Agra fort and there they enjoyed light and sound show in the evening. Students returned home town on 22nd November with the unforgettable and remarkable memories in our heart.

Miss. Neetu Tanwani, Asst. Teacher, Dolphin

The meaning of A to Z

A - Always trust in God.
B - Beauty is presentation.
C - Control your tongue.
D - Do your duty, that is your Beauty.
E - Every lie will drag you to tell an other lie.
F - Fear is nothing if you stick to truth.
G - God helps those who helps themselvs.
H - Honesty is the best policy.
I - Ill got, Il spent.
J - Joy lies in faith.
K - Knowledge is power.
L - Look before you leap.
M - Man is the architect of his own future.
N - Never put off till tomarrow.
O - Organize for harmonious action.
P - Pride must have a fall.
Q - Quality is better than quantity.
R - Ragularity is essential factor.
S - Speak sweetly.
T - Too much of every thing is bad.
U - Union is strength.
V - Variety is the spice of life.
W - Who are without work are thieves.
X - X-ray your mind.
Y - Your life is God's gift to you.
Z - Zeal without knowledge is like fire without light.

- Shivam Sahu, Vth A

मेरे पापा

जब मैं छोटी थी तो सोचती थी कि
पापा, आप जादूगर हो,
हर समस्या का हल है आपकी बद मुट्ठी में,
जब बड़ी हुई तो जाना,
उलझे हो हर वक्त आप मेरी समस्या सुलझाने में।

जब मैं छोटी थी तो सोचती थी,
पापा ने दुनिया देखी है।
जब बड़ी हुई तो जाना
मैं पापा की दुनिया हूँ।

जब मैं छोटी थी तो सोचती थी,
पापा की जेब में तारे हैं।
जब मैं बड़ी हुई तो जाना,
मैं पापा की आँखों का तारा हूँ।

अब मैं बड़ी हो गई पापा,
जान गई हूँ जीवन को।
उतना आसान नहीं है यह,
जैसा बचपन में लगता है।

पर अब भी
हर मुश्किल का हल बन्द है,
पापा आपकी मुट्ठी में।

पापा मेरे लिए तो आप
अभी-भी जादूगर हो।

- **कु. अंजुलता रघुवंशी,**
सहा.शिक्षिका (डॉल्फिन)

बचपन

यूँ बतयाना चाँद से,
जैसे हो वो कोई मीत पुराना।

डूबकर अपनी मस्ती में,
गुनगुनाना कोई गीत सुहाना।
टूटी-फूटी चीजें पाने पर भी,
जी भरकर खुश हो जाना।
बिन तीज-त्यौहार भी,
धमा-चौकड़ी खूब मचाना।
हर छोटी-मोटी बात पर,
पल-पल में रूठना मनाना।

जीत की तो बात ही क्या थी,
पर हारकर भी खिलखिलाना।
क्या बतायें हम कैसे गुजर गया,
बचपन का जमाना।
बन गयी जिन्दगी की जद्दोजहद,
बस नाम और पैसा कमाना।

- **इन्दु मिश्रा** (सहा. शिक्षिका) डॉल्फिन

Music is the medicine of the breaking heart.

नन्ही-कूची

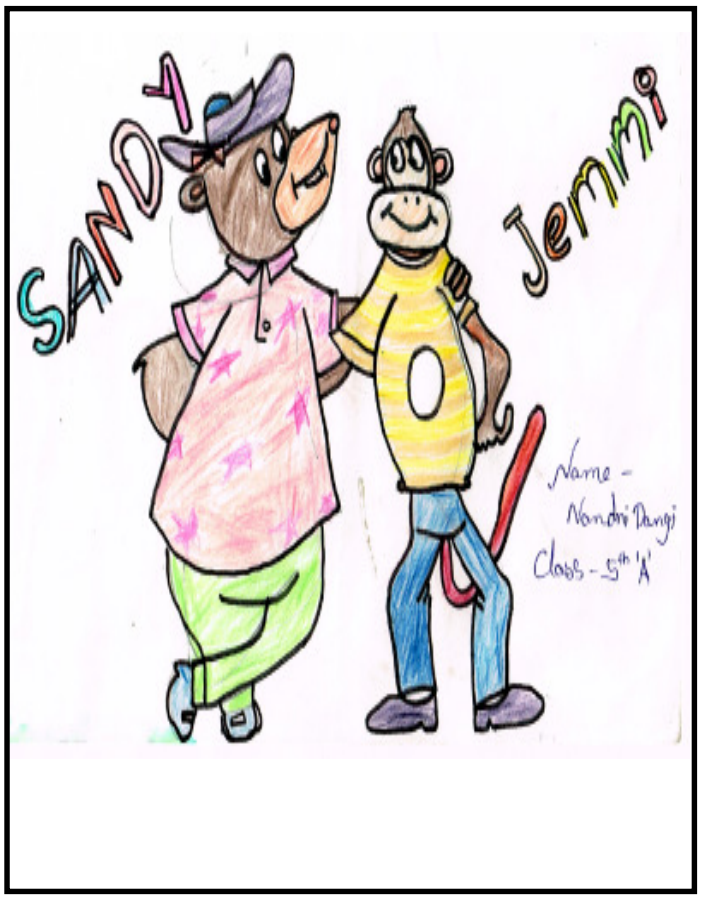

- Ku. Divyanshi Dixit,
Class-Vth

क्रियाशील प्रगति-परिषद् द्वारा संचालित

पंजीयन क्रमांक 5836/20.08.1977

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त

नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साईंस

• अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों द्वारा अध्यापन एवं प्रशिक्षण •

• आधुनिक एवं सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला •

नये सत्र में प्रवेश प्रारम्भ हैं। सीमित स्थान, शीघ्रता करें .....

नवांकुर भवन, बरेठ रोड, गंजबासौदा दूरभाष : 221066

email : nvpbsd_2007@ rediffmail.com, Website : www.navankurvidyapeeth.com

परीक्षा-परिणाम (सत्र 2012-13)

PGDCA - Toppers of Institute

TOTAL RESULT 89.9%

No.	Name of Student	Father's Name	Obtained Marks	Percent	Rank
01	Ku. Bhavna Soni	Sh. Rajkumar Soni	820 / 1000	82.00%	I
02	Manish Chaturvedi	Sh. Bhaskar Chaturvedi	786 / 1000	78.60%	II
03	Smt. Madhu Pawar	Sh. Jai Singh Pawar	780 / 1000	78.00%	III

DCA - Toppers of Institute

TOTAL RESULT 85.42%

No.	Name of Student	Father's Name	Obtained Marks	Percent	Rank
01	Ku. Shalini Sharma	Sh. Brajesh Sharma	540 / 700	77.14%	I
02	Ku. Anita Ahirwar	Sh. Khayli Ram	525 / 700	75.00%	II
03	Ku. Surbhi Jain	Sh. Pramod Jain	521 / 700	74.43%	III

Honesty is the best policy. (Collected by - **Lakhmi Chand Sahu,** Lect. Maths)